भाद्रपद शुक्ल पक्ष 8, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक-74 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

भोपाल
19 सितंबर 2026 शनिवार

आज का मौसम
31.4 अधिकतम
23.0 न्यूनतम

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

ममता परिवार की कानूनी उलझनें... निगम से ईडी-सीबीआई और सीआईडी तक

पश्चिम बंगाल की सत्ता गंवाने के बाद ममता बनर्जी के सामने राजनीतिक चुनौती तो है ही, लेकिन उनके परिवार और राजनीतिक उत्तराधिकारी अभिषेक बनर्जी के सामने कानूनी और प्रशासनिक मोर्चे भी लगातार खुलते जा रहे हैं। कोलकाता म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के नोटिस से लेकर ईडी, सीबीआई की पुरानी जांचों और अब सीआईडी की कार्रवाई तक घटनाओं की यह श्रृंखला बंगाल की बदली हुई सत्ता-व्यवस्था का एक अलग अध्याय बन गई है।

राजेश सिरोठिया
कोलकाता
ग्राउंड रिपोर्ट

हालांकि शुरुआत में एक सावधानी जरूरी है। जांच, आरोप और अदालत में सिद्ध अपराध एक ही बात नहीं हैं। इसलिए इन सभी मामलों को उनके अलग-अलग कानूनी संदर्भ में देखना होगा।

सबसे चर्चित मामला 188A हरीश मुखर्जी रोड स्थित 'शांतिनिकेतन' का है। केएमसी ने धारा 400(1) के तहत कार्रवाई शुरू की। बाद की जांच में निगम के अधिकारियों ने स्वीकृत डिजाइन से हटकर निर्माण की बात कही। कुछ हिस्सों को अर्थदंड देकर नियमित करने की संभावना के साथ एक बड़े हिस्से को हटाने की आशंका भी दिख रही है। लेकिन यहीं कहानी का दूसरा पक्ष महत्वपूर्ण हो जाता है। शांति निकेतन की सुनवाई में अभिषेक के पिता अमित बनर्जी की ओर से ऐसे दस्तावेज प्रस्तुत किए गए जिनके आधार पर दावा किया गया कि अतिरिक्त निर्माण को लेकर केएमसी के भवन विभाग में पहले निर्णय हो चुका था। इसके बाद भौतिक सत्यापन की प्रक्रिया आगे बढ़ी। इसलिए यह निर्माण 'अवैध' साबित नहीं होता।

29-C हरीश चटर्जी स्ट्रीट का मामला इस विवाद को और महत्वपूर्ण बनाता है। अमित बनर्जी और लता बनर्जी ने केएमसी के 18 मई की धारा (1) notice को कलकत्ता हाई कोर्ट में चुनौती दी। 3 जून के आदेश में अदालत ने नोटिस के साथ जुड़े दस्तावेज याचिकाकर्ताओं को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। इसके बाद उन्हें अपना पक्ष रखने का मौका दिया गया और केएमसी को सुनवाई करके कारण सहित आदेश पारित करने को कहा गया। अदालत ने यह भी साफ किया कि उसने मामले पर कोई अंतिम राय व्यक्त नहीं की है। इसी तरह 37 पांडित्य रोड की संपत्ति को लेकर भी अमित बनर्जी ने धारा 400(1) के नोटिस को चुनौती दी। अदालत के रिकॉर्ड में यह दर्ज है कि उनका दावा था कि निर्माण केएमसी से मंजूरी के बाद किया गया था। अदालत ने दस्तावेज मुहैया कराने और कानून के अनुसार आगे निर्णय लेने की प्रक्रिया अपनाने को कहा। यहां भी निर्माण को अंतिम रूप से वैध अथवा अवैध घोषित नहीं किया गया।

लीप्स और बाउंड्स की पुरानी जांच: इस पूरी कहानी में लीप्स और बाउंड्स का नाम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि कंपनी का नाम शिक्षक भर्ती घोटाले से संबंधित ईडी जांच में पहले से सामने आ चुका है। 2023 में कंपनी के कार्यालय की तलाशी भी हुई थी। कलकत्ता हाई कोर्ट के रिकॉर्ड में ED की उस जांच में कंपनी के निदेशकों और पैसे के लेनदेन की चेन का उल्लेख मिलता है। कोयला मामले में भी अभिषेक और रुजीरा बनर्जी से पूछताछ तथा ईडी जांच का संदर्भ सामने आता रहा है। सितंबर 2026 में अभिषेक बनर्जी के निजी सहायक सुमित राय की गिरफ्तारी ने इस पूरी कहानी में नया आयाम जोड़ा। साल्बोनी भूमि से जुड़े फ्रॉड मामले में सीआईडी की कार्रवाई और उसके बाद तलाशी की खबरें सामने आईं।

क्या इन सभी घटनाओं को राजनीतिक प्रतिशोध की एक ही कहानी माना जाए? यह टीएमसी का राजनीतिक आरोप हो सकता है। लेकिन उपलब्ध न्यायिक रिकॉर्ड के आधार पर इसे स्थापित तथ्य कहना जल्दबाजी होगी। फिलहाल तथ्य इतना जरूर बताते हैं कि सत्ता परिवर्तन के बाद ममता बनर्जी के परिवार और अभिषेक बनर्जी से जुड़े लोगों के सामने राजनीतिक संघर्ष के साथ-साथ कई स्वतंत्र कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रियाएं भी चल रही हैं। और यही इस कहानी का सबसे बड़ा सवाल है–

क्या ये अलग-अलग कानूनी मामले हैं, या आने वाले दिनों में ये सभी मिलकर बंगाल की राजनीति के सबसे बड़े शक्ति-संघर्ष का हिस्सा बन जाएंगे?

17 संपत्तियां और केएमसी की कार्रवाई

मई 2026 में कोलकाता नगर निगम ने अभिषेक बनर्जी, उनके परिवार तथा उनसे जुड़ी लीप्स एंड बाउंड्स प्राइवेट लिमिटेड से संबंधित 17 संपत्तियों को लेकर नोटिस जारी किए। केएमसी की प्रारंभिक आपत्ति कथित रूप से मंजूरशुदा और वास्तविक निर्माण के बीच अंतर को लेकर थी। इस सूची में दक्षिण कोलकाता के कालीघाट-भवानीपुर क्षेत्र के अलावा हरीश मुखर्जी रोड और पांडित्य रोड जैसी पॉश जगहों की संपत्तियां भी सामने आईं। अलग-अलग रिपोर्टों में 21, 24 और इससे अधिक संपत्तियों की संख्या का उल्लेख हुआ, लेकिन 17 संपत्तियों पर नोटिस वह आंकड़ा है जिसे इस पूरी कार्रवाई के मुख्य तथ्य के रूप में रखना उचित होगा।

न्यूज विंडो

ट्रम्प ने किया 100% टैरिफ वाला बिल साइन, बढ़ सकती हैं भारत की मुश्किलें

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अब भारत पर 100% तक टैरिफ लगा सकते हैं। ट्रम्प ने इस बिल पर साइन कर दिया है और अब यह कानून बन चुका है। अमेरिकी संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स ने बुधवार को रूस से ज्यादा तेल खरीदने वाले 5 देशों पर 100% तक टैरिफ लगाने वाला बिल पास किया था। पक्ष में 262 और विरोध में 159 वोट पड़े थे। सीनेट अगस्त में इसे 86-11 वोट से पास कर चुकी है। रूस से ज्यादा कच्चा तेल खरीदने वाले 5 देशों की अमेरिकी लिस्ट में चीन, भारत, स्लोवाकिया, हंगरी और अजरबैजान शामिल हैं।

51 हजार युवाओं को रोजगार पीएम मोदी ने बांटे नियुक्ति पत्र

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने आज 20वें रोजगार मेले में 51 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र बांटें। देशभर में 45 जगहों पर आयोजित रोजगार मेले के तहत, उन्होंने युवाओं को वर्चुअली संबोधित भी किया। पीएम मोदी ने कहा, 'देश में त्योहारों का समय शुरू हो चुका है। इन खुशियों के बीच आज का दिन हजारों परिवारों के जीवन में एक नई खुशी लेकर आया है। आज देश के 51 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी सेवा के लिए नियुक्ति पत्र मिल रहे हैं।

दमोह: पारिवारिक विवाद के बाद युवक ने पत्नी और 3 बच्चों की हत्या की

दमोह। दमोह जिले के मगरोन थाना क्षेत्र के कबीरपुर गांव में आज सुबह एक ही परिवार के चार लोगों की हत्या का मामला सामने आया है। घटना सुबह करीब 4 बजे की बताई जा रही है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक आरोपी द्वारका पटेल ने पत्नी खेमा बाई (27), बेटी उर्मिला (7), बेटे उमेश (4) और राजा (1) पर धारदार हथियार से हमला किया, जिसमें चारों की मौत हो गई। शुरुआती जांच में सामने आया है कि परिवार में करीब छह महीने पहले भी विवाद हुआ था।

दिल्ली यूनिवर्सिटी चुनाव में विद्यार्थी परिषद को बढ़त

नई दिल्ली। दिल्ली यूनिवर्सिटी छात्रसंघ के चुनाव के बाद वोटों की गिनती जारी है। दोपहर बाद रिजल्ट आएंगे। फिलहाल अध्यक्ष पद पर एबीवीपी और एनएसयूआई के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिल रही है। अध्यक्ष पद पर सुबह से एबीवीपी के यश डबास आगे चल रहे थे, लेकिन बाद में एनएसयूआई के विजय शंकर मीणा ने बढ़त बना ली।

आज का कार्टून

मुख्यमंत्री स्कूटी योजना ... 7,400 मेधावी विद्यार्थियों को मिले वाहन

मुख्यमंत्री बोले-सरकारी स्कूल कर रहे कमाल, निजी संस्थानों को पीछे छोड़ा

प्राथमिक स्कूलों में ड्रॉपआउट दर हुई शून्य

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के 7,400 से ज्यादा मेधावी विद्यार्थियों को ई-स्कूटी और मोटराइज्ड वाहन की सौगात दी गई है। सुभाष उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शिवाजी नगर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में आज मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विद्यार्थियों को सांकेतिक रूप से चाबी सौंपी। पात्र विद्यार्थियों के खातों में वाहन की राशि भी ट्रांसफर की गई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार युवाओं शक्ति और प्रतिभाओं का सम्मान करते हुए अमृतकाल में विकसित भारत ञ2047 के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। कार्यक्रम में मंत्री राव उदय प्रताप सिंह, कृष्णा गौर, विशवास सारंग और विजय शाह भी मौजूद रहे थे।

छात्रों को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध करा रही है। उन्होंने कहा कि जब कोई बच्चा अपनी क्षमता और योग्यता के बल पर घर में स्कूटी लेकर आता है, तो माता-पिता, गांव और समाज का गौरव बढ़ता है। एक समय प्रदेश के कई स्कूलों में बच्चों के बैठने तक की पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी, आज विद्यार्थी अपने भविष्य और करियर को लेकर बड़े सपने देख रहे हैं।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2002-03 तक स्कूल शिक्षा विभाग का बजट लगभग 2,600 करोड़ रुपए था, जबकि वर्तमान में स्कूल शिक्षा के लिए 38 हजार करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में 2002-03 तक प्राथमिक स्कूलों में ड्राप आउट दर 16 प्रतिशत थी। आज यह शून्य हो चुकी है। प्रदेश में सर्व सुविधा युक्त सांदीपनि विद्यालय खोले जा रहे हैं, जो सुविधाओं और पढ़ाई के मामले में कमाल का प्रदर्शन करते हुए प्राइवेट स्कूलों तक को पीछे छोड़ रहे हैं। अब बोर्ड परीक्षाओं की मेरिट लिस्ट में 50 प्रतिशत विद्यार्थी सांदीपनि और शासकीय स्कूलों से आ रहे हैं।

स्कूटी वितरण के बाद मुख्यमंत्री ने छात्र - छात्राओं से बात भी की। एमपी टॉपर खुशी राय ने बताया कि यह स्कूटी उन्हें कॉलेज आने-जाने में मदद करेगी। वे सीए की तैयारी कर रही हैं। किसान परिवार से आने वाले छात्र आकाश साहू ने बताया कि वह अपना एग्रीकल्चर स्टार्टअप शुरू करना चाहता है। इसके लिए सभी जरूरी तैयारियां जारी हैं। छात्र रवि केवट और छात्रा मरियम खान दोनों ने सीए बनने की इच्छा जताई।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने स्कूटी योजना अंतर्गत भोपाल में मेधावी विद्यार्थियों को स्कूटी वितरण की। समारोह में छात्रा के साथ स्कूटी की सवारी करते डॉ. यादव।

12वीं में 70 फ़ीसदी अंक और स्कूल में प्रथम आना जरूरी

स्कूटी योजना का उद्देश्य स्कूली विद्यार्थियों को शैक्षणिक उपलब्धियां हासिल करने के लिए प्रोत्साहित करना है। योजना के नियम इस साल से बदले गए हैं। अब इसके लिए विद्यार्थियों को कक्षा 12वीं में प्रथम प्रयास में ही 70 फ़ीसदी अंक के साथ स्कूल में प्रथम स्थान पर आना जरूरी है। योजना का लाभ स्कूल शिक्षा एवं जनजातीय कार्य विभाग के शासकीय हायर सेकंडरी स्कूलों में नियमित विद्यार्थी के रूप में अध्ययनरत विद्यार्थी को दिया जाता है। योजना में सभी संकायों के विद्यार्थियों को शामिल किया गया है। मोटराइज्ड स्कूटी के लिए अधिकतम 90 हजार रुपए और ई-स्कूटी के लिए अधिकतम 1.20 लाख रुपए की राशि प्रदान की जाती है।

बगलामुखी मंदिर के पास नाले में बही कार, तीन बच्चों समेत 8 मौत

आगर मालवा। प्रदेश के आगर मालवा जिले के नलखेड़ा में शनिवार को मां बगलामुखी मंदिर के पास बड़ा हादसा हो गया। मंदिर के पास बरसाती नाले के तेज बहाव में श्रद्धालुओं से भरी कार बह गई। हादसे में 3 बच्चों, 2 महिलाओं और 3 पुरुषों समेत 8 लोगों की मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक, मृतकों में 7 लोग ओडिशा के रहने वाले थे, जबकि कार का ड्राइवर मध्यप्रदेश का था। श्रद्धालुओं ने कार उज्जैन से किराए पर ली थी। सभी मां बगलामुखी मंदिर में दर्शन के लिए नलखेड़ा पहुंचे थे।

प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर रहे स्थानीय: वहीं, सूचना मिलते ही प्रशासन और रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। रेस्क्यू शुरू किया। हादसे के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है। लोग प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। मौके पर कलेक्टर शेर सिंह मीणा और एसपी दिलीप कुमार सोनी समेत प्रशासनिक अमला मौजूद है। फिलहाल मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है।

इंदौर में आज राहुल गांधी का 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम, जेन-जी के मुद्दों पर चर्चा

इंदौर। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी आज इंदौर में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के जरिए जेन-जी से उनके मुद्दों पर बात करेंगे। राहुल शाम साढ़े 5 बजे रीजनल पार्क के सामने स्थित IDA ग्राउंड में कार्यक्रम में शामिल होंगे।

छात्र शिक्षा, रोजगार, पेपर लीक, प्रतियोगी परीक्षाओं और परीक्षा प्रणाली से जुड़े सवाल राहुल गांधी से कर सकेंगे। राहुल गांधी का इंदौर में पहला और देश में 5वां कार्यक्रम है। कांग्रेस का दावा है कि कार्यक्रम के लिए करीब 2 लाख रजिस्ट्रेशन हुए हैं, जबकि प्रशासन को करीब 15 हजार विद्यार्थियों के शामिल होने की जानकारी दी गई है। इस कार्यक्रम को 31 शर्तों के साथ अनुमति दी गई है। इस पर कांग्रेस का कहना है कि प्रशासन कार्यक्रम में अड़चन डालने की कोशिश कर रहा है।

एशियन गेम्स 2026 का आगाज आज

501 भारतीय एथलीट लगाएंगे जोर

टोक्यो। एशियन गेम्स का 20वां एडिशन आज से जापान के आइची-नागोया में शुरू हो रहा है। इसमें 45 देशों के खिलाड़ी 43 खेलों के 469 मेडल इवेंट में हिस्सा लेंगे। भारत के 501 खिलाड़ी 36 खेलों में उतरेंगे। इनमें 267 पुरुष और 234 महिलाएं हैं। 314 खिलाड़ी पहली बार एशियन गेम्स में हिस्सा ले रहे हैं। यानी दल का करीब 63% हिस्सा डेब्यूटेंट है।

मेट्रो एंकर

जयपुर के ग्रैंड फिनाले में टॉप 20 में रहीं, अब कोडिंग और क्लाउड टेक्नोलॉजी का जिम्मा

मिस यूनिवर्स के रैंप से गूगल की स्क्रीन पर लौटीं एमपी की उमंगा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

फैशन और ग्लैमर की दुनिया बाहर से बेहद रंगीन और चमक-दमक से भरी दिखती है। मेहनत और अनुशासन के जज्बे वाले ही इसमें अपनी जगह बना सकते हैं। जरा सोचिए, कोई लड़की देश के सबसे बड़े ब्यूटी पेजेंट के ग्रैंड फिनाले तक पहुंचे और फिर कुछ ही दिनों बाद वापस अपने ऑफिस की डेस्क पर कोडिंग और क्लाउड टेक्नोलॉजी संभालने लगे। सुनने में थोड़ा हैरानी भरा लग सकता है, लेकिन उमंगा कुमावत ने इसे सच कर दिखाया है।

मध्यप्रदेश की उमंगा कुमावत ने मिस यूनिवर्स इंडिया 2026 के राष्ट्रीय मंच पर पहुंचने के बाद भी ग्लैमर को अपना पूरा करियर नहीं बनाया। रैंप की रोशनी से निकलकर वह सीधे बेंगलुरु स्थित गूगल के ऑफिस पहुंचीं और अपनी टेक्नोलॉजी की नौकरी फिर शुरू कर दी। उमंगा ने 23 अगस्त को जयपुर में हुए मिस यूनिवर्स इंडिया 2026 के फिनाले में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। देशभर से आई 52 प्रतिभागियों में उन्होंने टॉप-20 में जगह बनाई। केरल की काजिया लिज मेजो ने खिताब जीता। फिनाले खत्म होने के कुछ ही सप्ताह बाद उमंगा फिर अपने लैपटॉप, मीटिंग और तकनीकी काम की दुनिया में लौट गईं।

हाल ही में उमंगा ने सोशल मीडिया पर अपने एक दिन की झलक साझा की जिसे काफी पसंद किया गया। वो अपनी कॉर्पोरेट दुनिया को दिखाती नजर आ रही हैं। उनकी दिनचर्या सुबह करीब 9:30 बजे शुरू होती है। इसके बाद वह गूगल कैंपस पहुंचती हैं, जहां वर्कआउट और तैयारियों के बाद उनका फोकस अपने नियमित काम पर होता है। करीब 12:30 बजे वह लैपटॉप के साथ अपने तकनीकी प्रोजेक्ट और दस्तावेजों में जुट जाती हैं। दिन में लंच और कॉफी ब्रेक के बीच मीटिंग और काम चलता रहता है। उमंगा की पहचान सिर्फ मॉडलिंग या ब्यूटी पेजेंट तक सीमित नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक वह गूगल में क्लाउड इंजीनियर के तौर पर काम करती हैं। उनकी प्रोफाइल में क्लाउड टेक्नोलॉजी, एप्लीकेशन डेवलपमेंट और जनरेटिव एआई जैसे क्षेत्रों का अनुभव बताया गया है। उनकी स्कूली पढ़ाई भोपाल के सेंट जोसेफ सीनियर सेकेंडरी स्कूल से हुई और उन्होंने एबीवी-आईआईआईटीएम ग्वालियर से कंप्यूटर नेटवर्किंग में मास्टर्स किया है।

एक साथ दो सपनों को जीने की कहानी

उमंगा की कहानी इसलिए भी अलग है क्योंकि उन्होंने अपने करियर को किसी एक पहचान तक सीमित नहीं रखा। एक तरफ टेक्नोलॉजी की नौकरी और दूसरी तरफ मॉडलिंग व ब्यूटी पेजेंट का मंच। वे दोनों को साथ लेकर चल रही हैं। उनका हालिया ऑफिस वीडियो भी यही दिखाता है कि राष्ट्रीय स्तर के मंच से लौटने के बाद उनकी रोजमर्रा की जिंदगी फिर उसी अनुशासन में लौट आई, जिसमें काम, समय और लक्ष्य सबसे ऊपर हैं। यह कहानी एक सीधा संदेश भी कही जा सकती है कि सपने अलग-अलग हों तो जरूरी नहीं कि उनमें से किसी एक को छोड़ना पड़े; सही तैयारी और अनुशासन से करियर और पसंद, दोनों के लिए जगह बनाई जा सकती है।

युवाओं के विकास की इन्द्रधनुषी रणनीति

युवा, मध्यप्रदेश के सामर्थ्य का जीवन्त प्रतीक हैं। राज्य सरकार ने वर्ष 2025 को, निवेश और रोजगार वर्ष के रूप में मनाया था, वर्ष 2026 किसान कल्याण वर्ष है और अब इसे आगे बढ़ाते हुए वर्ष 2027 को युवा वर्ष के रूप में, मनाने का निर्णय लिया है। युवाओं के संपूर्ण व्यक्तित्व विकास और कल्याण के लिए, मोहन सरकार ने इन्द्रधनुषी रणनीति का निर्माण किया है, जिसके 07 महत्वपूर्ण स्तंभ हैं-

रणनीति के 7 महत्वपूर्ण स्तंभ

- गुणवत्तायुक्त शिक्षा
- कौशल विकास
- उद्यमिता एवं स्वरोजगार
- सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर
- स्टार्टअप्स को सहयोग
- खेल, कला, संस्कृति, शोध एवं अनुसंधान प्रोत्साहन
- नेतृत्व क्षमता विकास

राज्य सरकार ने 85 हजार से अधिक युवाओं की, शासकीय सेवाओं में नियुक्तियां की है। इसी प्रकार अगले 01 वर्ष में 01 लाख से अधिक युवाओं को आईटीआई में तथा प्रतिवर्ष 10 हजार युवाओं को ग्लोबल स्किल पार्क में कौशल प्रशिक्षण दिलाने का काम करेगी। कौशल विकास के अंतर्गत, मध्यप्रदेश में एक अलग प्लेसमेंट सेल बनाया जाएगा, जो उद्योग और सरकार के बीच, एक कड़ी का काम करेगा।

उद्यम पोर्टल पर विगत ढाई वर्षों में, 3 लाख 34 हजार से अधिक विनिर्माण ईकाईयां पंजीकृत हुई, जिनमें 33 लाख 80 हजार युवाओं को, प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं। वृहद औद्योगिक ईकाईयों में भी, 50 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार प्रदान किया गया है।

राज्य सरकार अगले ढाई वर्ष में, उन युवाओं पर विशेष रूप से फोकस करने जा रही है, जो किसी कारण से 10वीं की परीक्षा में उत्तीर्ण नहीं हो पाए अथवा जिन्होंने 10वीं के बाद पढ़ाई छोड़ दी है। ऐसे युवाओं के हाथ में हुनर देकर, उन्हें इतना सशक्त बनाया जाएगा कि वे प्रदेश ही नहीं बल्कि देश और विदेश जाकर भी रोजगार प्राप्त कर सके।

युवाओं को केन्द्र में रखकर, MSME और स्टार्टअप इकोसिस्टम को नई गति देने के लिए प्रदेश में मध्यप्रदेश M S M E विकास नीति 2025', 'स्टार्टअप नीति एवं कार्यान्वयन योजना 2025' नीति लागू की गई। वर्तमान में लगभग 8 हज़ार स्टार्टअप संचालित हैं, इसमें से 50 प्रतिशत स्टार्टअप का नेतृत्व, नारी शक्ति, कर रही है। प्रदेश के हर जिले में, कम से कम एक इंक्यूबेशन सेंटर बनाया जायेगा। आगामी ढाई वर्षों में स्टार्ट-अप की संख्या 12 हजार से अधिक और 100 नवीन इन्क्यूबेशन सेंटर की स्थापना करने का लक्ष्य है।

'प्लग-एंड-प्ले' मॉडल पर, को-वर्किंग स्पेस तैयार किए जाएंगे। युवा पीढ़ी की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, ड्रोन, सेमीकंडक्टर, एआई, स्पेसटेक और ग्रीन मैन्युफैक्चरिंग जैसे उभरते क्षेत्रों में, एमएसएमई की भागीदारी को अनिवार्य रूप से बढ़ाया जाएगा। प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित न्यायालीन मामलों की, त्वरित सुनवाई और निराकरण के लिए, राज्य सरकार ने 04 'फास्ट ट्रैक कोर्ट स्थापित करने का भी निर्णय लिया है।

18.95 लाख जनजातीय विद्यार्थियों को 189 करोड़ छात्रवृत्ति

3.18 लाख जनजातीय विद्यार्थियों को 556 करोड़ की पोस्ट मेट्रिक छात्रवृत्ति

प्री मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना कक्षा 01 से 10 में वर्ष 2003 से अभी तक लगभग 3,96,24,580 (तीन करोड़ छियानवे लाख चौबीस हज़ार पांच सौ अस्सी) एवं पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति अंतर्गत वर्ष 2003 से वर्ष 2025-26 तक लगभग 58,02,143 (अट्ठावन लाख दो हज़ार एक सौ तिरालीस) इस प्रकार लगभग 4,54,26,723 (चार करोड़ चौवन लाख छब्बीस हज़ार सात सौ तेईस) विद्यार्थियों लाभान्वित किया गया है।

51 विद्यार्थियों को विदेशों में अध्ययन के मौके

विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत विदेश में अध्ययन के लिए प्रति विद्यार्थी, प्रतिवर्ष 40 हजार यू.एस. डॉलर कोचिंग शुल्क एवं 10 हजार यू.एस. डॉलर जीवन निर्वाह भत्ता एवं अन्य आकस्मिक भत्ते हेतु राशि प्रदान की जाती है।

विगत 09 वर्षों में 51 विद्यार्थियों को विदेश अध्ययन स्थित विश्वविद्यालयों में उच्च अध्ययन प्राप्त किया जा रहा है।

छात्रावास जनजातीय कार्य विभाग द्वारा कुल 2671 छात्रावास एवं आश्रम शालाओं का संचालन किया जा रहा है जिसके लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु राशि रूपये 7 सौ 27 करोड़ का बजट प्रावधान किया गया है। परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र योजना अंतर्गत वर्ष 2025-26 में केन्द्र सरकार द्वारा प्रत्येक संभागीय मुख्यालय पर 10 परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र हेतु भवन स्वीकृत किये गये है।

प्रतिभा योजना अंतर्गत अनुसूचित जनजाति वर्ग के कक्षा 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों को राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षाओं के माध्यम से प्रतिष्ठित संस्थाओं IIT, NIT, NLIU, शासकीय मेडिकल कॉलेज में चयन होने पर पुरस्कार राशि प्रदाय की

जाती है। इस योजना में वर्ष 2025-26 में 272 विद्यार्थियों को राशि रूपये 71 लाख वितरित की गई। मध्यप्रदेश स्पेशल एण्ड रेसीडेंशियल एकेडमिक सोसायटी के द्वारा 71 एकलव्य आदर्श आवासीय, 82 माता शबरी आवासीय कन्या शिक्षा परिसर एवं 08 आदर्श आवासीय विद्यालयों का संचालन किया जा रहा है। इन विद्यालयों में 61 हजार से अधिक विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा रही है।

पिछड़ा वर्ग के 5 करोड़ से अधिक विद्यार्थी लाभांवित

13 हजार करोड़ से अधिक की राशि स्वीकृत

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दूरदर्शी नेतृत्व और निर्णयों के फलस्वरूप प्रदेश में पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को शिक्षा के हर स्तर पर अभूतपूर्व प्रोत्साहन और वित्तीय सहयोग मिल रहा है। पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को राज्य सरकार द्वारा प्राथमिक शिक्षा से विदेश अध्ययन के लिये छात्रवृत्ति, नि:शुल्क कोचिंग और प्रशिक्षण जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं में पिछले 15 वर्षों में 13 हजार 156 करोड़ 51 लाख से अधिक की वित्तीय सहायता दी गई है। योजनाओं से लगभग 5 करोड़ 34 लाख 39 हजार 54 से अधिक विद्यार्थी लाभांवित हुए।

प्री एवं पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति से मदद

स्कूली स्तर पर ड्रॉप-आउट दर को समाप्त करने और बच्चों की पढ़ाई निरंतर बनाए रखने के लिए संचालित प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत वर्ष 2012-13 से 2026-27 तक पिछड़ा वर्ग के 4 करोड़ 50 लाख से अधिक विद्यार्थियों को ₹ 2,535 करोड़ से अधिक की छात्रवृत्ति वितरित की जा चुकी है। इसके साथ ही स्कूली शिक्षा में उत्कृष्ट अंक लाने वाले होनहारों को 'प्रावीण्य (मेधावी) छात्रवृत्ति योजना' के तहत पिछड़ा वर्ग के 2,185 विद्यार्थियों को 1 करोड़ 69 लाख रूपये की राशि दी गई है। उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा में कॉलेज स्तर के छात्रों को राहत देते हुए 'पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना' के तहत वर्ष 2012-13 से 2026-27 के दौरान इसी वर्ग के 84.22 लाख विद्यार्थियों को ₹10,467 करोड़ की राशि से संबल प्रदान किया गया है।

शिक्षा को बढ़ावा देने म.प्र. सरकार ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय, छात्रावास एवं उत्कृष् 8 छात्रावास के रूप में 1933 छात्रावासों का संचालन कर रही है। इनमें एक लाख से अधिक सीट स्वीकृत है। अनुसूचित जाति छात्रावास भवनों का निर्माण, आवास सहायता योजना, छात्रावासों के लिए उत्कृष्टता पुरुस्कार योजना, छात्रावासों में पुस्तकालय योजना, प्रसाधन किट प्रदाय योजना, दिल्ली में उच्च शिक्षा हेतु छात्रावास सुविधा को गुणवत्ता सहित लागू कर अनुसूचित जाति के युवाओं की शिक्षा के स्तर का उन्नयन किया जा रहा है। इस वर्ष राशि रु. 420.00 करोड़ के 84 छात्रावास के नवीन भवनों का निर्माण कराया जा रहा है। कक्षा 1 से लेकर महाविद्यालयीन स्तर तक की शिक्षा को सुगम बनाये जाने हेतु विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाएँ संचालित की जा रही है। वर्ष 2025-26 में कक्षा 1 से 12 तक के लिये 13 लाख 37 हजार विद्यार्थियों को राशि रु. 73.71 करोड़ की छात्रवृत्ति स्वीकृत की गई है। महाविद्यालय स्तर के लिये 2 लाख 09 हजार विद्यार्थियों को राशि रु. 344.02 करोड़ की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति स्वीकृत की गई है।

D-11118/26

19 जनजातीय बहुल जिलों में 94 सांदीपनि विद्यालय

सांदीपनि विद्यालय

कुल भवन 274	निर्माणाधीन भवन 167
पूर्ण हो चुके भवन 97	लोकार्पित विद्यालय 74
लोकार्पण के लिए तैयार 23	

सांदीपनि विद्यालय शिक्षा की गुणवता में सुधार हेतु नवीन शिक्षा नीति के दृष्टिगत सर्व संसाधन संपन्न विद्यालयों की स्थापना के लिए योजनान्तर्गत प्रथम चरण में 19 जिलों में 94 सांदीपनि विद्यालयों का संचालन किया जा रहा है। इन विद्यालयों के 55 भवनों का निर्माण पूर्ण हो गया है एवं 39 भवन निर्माणाधीन है।

निर्माण :- आश्रम शाला/जूनियर छात्रावास/सीनियर छात्रावास/महाविद्यालयीन छात्रावास, माता शबरी आवासीय कन्या शिक्षा परिसर, क्रीडा परिसर एवं सांदीपनि विद्यालयों के भवन निर्माण कार्य के लिए वितीय वर्ष 2026-27 में पूंजीगत मद में राशि रु. 1 हजार 7 सौ 37 करोड का बजट प्रावधान किया गया है।

जनजातीय उपयोजना :- अनुसूचित जनजातियों के सर्वांगीण विकास हेतु विभिन्न विभागों के माध्यम से आर्थिक, मानव संसाधन, क्षेत्र विकास एवं अन्य विकास कार्यक्रम चलाये जा रहे है। संबंधित विकास विभागों द्वारा जनजातीय उपयोजना अंतर्गत प्रावधानित बजट एवं व्यय की राशि का अनुश्रवण जनजातीय कार्य विभाग के स्तर पर किया जाता है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 में जनजातीय उपयोजना अंतर्गत राशि रु. 37350 करोड का व्यय किया गया। वर्ष 2026-27 में 47428 करोड का प्रावधान किया गया है।

अनुसूचित जाति के बच्चों को शिक्षा के बेहतर अवसर

84 छात्रवासों के लिए 420 करोड़

सेमीकंडक्टर की दौड़ में मध्यप्रदेश की बड़ी तैयारी

दुनिया की दिग्गज कंपनियों से सीएम की मुलाकात, इंदौर में होगा निवेश सम्मेलन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश अब सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग के लिए निवेश का नया केंद्र बनने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को नई दिल्ली के यशोभूमि में आयोजित सेमीकॉन इंडिया-2026 के दौरान मध्यप्रदेश पवेलियन का भ्रमण किया और देश-विदेश की कई प्रमुख कंपनियों के प्रतिनिधियों से सीधी बातचीत की। इस दौरान निवेश, तकनीकी साझेदारी, चिप डिजाइन और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को लेकर प्रदेश में उपलब्ध संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने सेमीकंडक्टर क्षेत्र से जुड़ी पारस सेमीकंडक्टर्स, थॉमसन सेमीकंडक्टर्स, स्प्रिन्टोनिक्स एआई, एनएक्सपी इंडिया, मार्वल सेमीकंडक्टर्स, एल एंड टी सेमीकंडक्टर्स और स्वदेश आईसी सेमीकंडक्टर्स जैसी कंपनियों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। बैठकों में मध्यप्रदेश में उद्योग स्थापित करने, तकनीकी सहयोग बढ़ाने और इस तेजी से उभरते क्षेत्र में नई परियोजनाओं की संभावनाओं पर बातचीत हुई। मुख्यमंत्री ने निवेशकों को प्रदेश में उपलब्ध सुविधाओं और उद्योगों के लिए तैयार किए जा रहे अनुकूल वातावरण की जानकारी दी। सेमीकॉन इंडिया के दौरान मुख्यमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय सेमीकंडक्टर उद्योग समूह के प्रतिनिधियों से भी मुलाकात की। इस प्रतिनिधिमंडल में जापान, कोरिया और अमेरिका की कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल रहे। जापान की एक्रेटेक, केनन और कैइजो, कोरिया की हनवा और जेनसेम तथा अमेरिका की मेकडरमिड अल्फा से जुड़े प्रतिनिधियों के साथ संभावित निवेश और तकनीकी सहयोग पर चर्चा हुई।

चिप डिजाइनिंग में भी प्रदेश तलाश रहा बड़ा अवसर

सेमीकंडक्टर निर्माण के साथ चिप डिजाइनिंग के क्षेत्र को भी मध्यप्रदेश निवेश का महत्वपूर्ण क्षेत्र मान रहा है। मुख्यमंत्री ने किष्किंधा इंटरनेशनल, डिजिकॉम, सिग्निटयूट, स्टेम्बो टेक्नोलॉजी, टू-चिप सोल्युशन, बनाश्री सेमीकंडक्टर्स, वीएलएसआई एक्सपर्ट और न्यूजिमो सेमीकंडक्टर्स सहित कई कंपनियों के प्रतिनिधियों से बातचीत की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सेमीकॉन इंडिया वैश्विक उद्योग जगत के साथ संवाद का महत्वपूर्ण मंच है। मध्यप्रदेश अपनी औद्योगिक क्षमता, संसाधनों, भूमि उपलब्धता और कुशल मानव संसाधन के आधार पर इस क्षेत्र में नई साझेदारियों के लिए तैयार है।

रोजगार और कौशल विकास के खुलेंगे रास्ते

मुख्यमंत्री ने कहा कि सेमीकंडक्टर उद्योग के विस्तार का सीधा लाभ प्रदेश के युवाओं को मिलेगा। इस क्षेत्र में नए उद्योग स्थापित होने से रोजगार के साथ कौशल विकास के अवसर भी बढ़ेंगे। चिप डिजाइनिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स और तकनीकी सेवाओं से जुड़े कारोबार के विस्तार से प्रदेश में नए औद्योगिक तंत्र के विकसित होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि कई कारोबारी समूह विदेशी कंपनियों के साथ साझेदारी कर अपने कारोबार को विस्तार देना चाहते हैं।

23-24 अक्टूबर को इंदौर में जुटेंगे निवेशक | मुख्यमंत्री ने बताया कि सेमीकंडक्टर उद्योग को मध्यप्रदेश से जोड़ने के लिए अब अगला बड़ा कदम इंदौर में उठाया जाएगा। 23 और 24 अक्टूबर को इंदौर में बड़ा निवेशक सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसमें सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग से जुड़े देश-विदेश के निवेशकों को प्रदेश की नीतियों, सुविधाओं और निवेश अवसरों से अवगत कराया जाएगा। सरकार की कोशिश है कि दिल्ली में हुई बैठकों को आगे बढ़ाते हुए संभावित निवेशकों को मध्यप्रदेश में परियोजनाएं स्थापित करने के लिए आकर्षित किया जाए।

अफसरों को मिलेगी ODOP की ट्रेनिंग

मिशन कर्मयोगी के तहत अधिकारियों को पढ़ाया जाएगा पाठ

भोपाल। प्रदेश के अधिकारियों को अब एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) की ट्रेनिंग दी जाएगी। इसका उद्देश्य शासकीय अधिकारियों को प्रदेश के जिलों में स्थानीय उत्पादों से रूबरू कराकर वैश्विक बाजार उपलब्ध कराना है। मिशन कर्मयोगी के तहत आइगोट पोर्टल पर ओडीओपी को लेकर प्रशिक्षण प्रोग्राम तैयार किए गए हैं। इस ऑनलाइन प्रोग्राम को देख सुनकर इसके बारे में जानना होगा। यह ट्रेनिंग जिले के कलेक्टर से लेकर वहां के उद्यानिकी, कृषि, मत्स्य सहित अन्य विभागों के अधिकारी तक करेंगे। ट्रेनिंग पूरी करने के बाद उन्हें इसका प्रमाण पत्र भी मिलेगा। ओडीओपी और एक्सपोर्ट प्रमोशन (निर्यात को बढ़ावा देने) से जुड़े सरकारी अधिकारियों की क्षमता को मजबूत करने के लिए आइगोट लर्निंग कोर्स शुरू किए हैं।

इनमें ओडीओपी बेसिक कोर्स, ओडीओपी 2.0-एडवांस्ड कोर्स, जीआइ बेसिक कोर्स, फूड प्रोसेसिंग में ओडीओपी को सपोर्ट करने के लिए पीएमएफएमई योजना, एग्री-प्रोसेसिंग-कृषि और बागवानी उत्पादों को सपोर्ट करने के लिए फार्म गेट से फैक्टरी गेट तक की प्रक्रिया, एक्सपोर्ट- बेसिक कोर्स, एक्सपोर्ट ओडीओपी और जीआइ पर केंद्रित कोर्स आनलाइन उपलब्ध कराए गए हैं। ट्रेनिंग के दौरान कोर्स और उससे जुड़े प्रश्न भी पूछे जाएंगे। जैसे कि इनमें निर्यात की सबसे सरल परिभाषा क्या है? बाघ प्रिंट वाले कारीगर की कहानी में सबसे बड़ा परिवर्तन किस कारण हुआ?

तेलंगाना कांग्रेस प्रभारी की जिम्मेदारी छोड़ी

रास टिकट विवाद के बाद अब लंदन जाएंगी मीनाक्षी उच्च शिक्षा पर है फोकस

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश से पूर्व सांसद और कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन अब करीब 10 महीने के लिए राजनीति से दूरी बनाकर उच्च शिक्षा पर फोकस करने जा रही हैं। नटराजन ने तेलंगाना कांग्रेस के प्रभारी पद की जिम्मेदारी छोड़ दी है और 21 सितंबर को पढ़ाई के लिए लंदन रवाना होंगी। जानकारी के अनुसार, नटराजन को लंदन स्कूल ऑफ बिजनेस में अर्थशास्त्र से संबंधित 10 महीने के कोर्स में प्रवेश मिला है। उन्हें इस कोर्स के लिए छात्रवृत्ति भी मिली है। इसके बाद उन्होंने पढ़ाई के लिए लंदन जाने का निर्णय लिया। अपने इस फैसले की जानकारी वे कांग्रेस हाईकमान को दे चुकी हैं। इस बीच नटराजन के स्थान पर तेलंगाना कांग्रेस के नए प्रभारी की नियुक्ति को लेकर पार्टी के भीतर विचार-विमर्श चल रहा है।

राज्यसभा चुनाव के दौरान सुर्खियों में आई थीं नटराजन- मीनाक्षी नटराजन इसी साल मध्यप्रदेश से राज्यसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की प्रत्याशी बनाई गई थीं। उन्होंने चुनाव के लिए नामांकन भी दाखिल किया था, लेकिन 9 जून को रिटर्निंग ऑफिसर ने उनका नामांकन खारिज कर दिया। नामांकन खारिज करने के पीछे फॉर्म-26 में तेलंगाना में लंबित एक आपराधिक शिकायत का खुलासा नहीं करने और अधूरा शपथपत्र दाखिल करने को आधार बनाया गया था। यह कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट के आदेश में निर्धारित प्रावधानों के संदर्भ में की गई थी।

सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा था मामला

नामांकन खारिज होने के बाद नटराजन ने फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। 12 जून को शीर्ष अदालत ने उनकी याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया शुरू होने के बाद इस तरह के विवाद में हस्तक्षेप नहीं किया जा सकता। ऐसे मामले के लिए चुनाव याचिका का रास्ता उपलब्ध है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने यह भी साफ किया था कि नामांकन खारिज करने के आधार पर की गई उसकी टिप्पणियां भविष्य में दाखिल होने वाली चुनाव याचिका के रास्ते में नहीं आएंगी। नटराजन ने उस समय नामांकन में किसी तथ्य को छिपाने के आरोप से इनकार किया था। उनका कहना था कि फॉर्म-26 में निजी शिकायत के खुलासे के लिए अलग से कोई मांग नहीं की गई थी और उन्होंने मांगी गई जानकारी उपलब्ध कराई थी।

कूटनीति की परीक्षा

अंतरराष्ट्रीय राजनीति में दबाव अब केवल सीमा और हथियारों तक सीमित नहीं है। बाजार और ऊर्जा भी कूटनीति के औजार बन चुके हैं। रूस के खिलाफ अमेरिका की नई प्रतिबंध नीति इसी बदलते वैश्विक परिदृश्य का संकेत है। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने 'लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रूस एंड ईरान एक्ट, 2026' को मंजूरी दे दी है। प्रस्तावित कानून में रूस की ऊर्जा खरीद से जुड़े देशों पर भारी शुल्क लगाने का अधिकार अमेरिकी राष्ट्रपति को देने का प्रावधान है। भारत भी संभावित रूप से प्रभावित देशों में शामिल है। भारत के लिए यह चिंता इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि तेल केवल ईंधन नहीं, अर्थव्यवस्था की धड़कन है। परिवहन से लेकर उद्योग तक और महंगाई से लेकर आम आदमी के घरेलू बजट तक, कच्चे तेल की कीमत का असर दूर तक जाता है। भारत अपनी तेल जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात से पूरा करता है और रूस हाल के वर्षों में प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं में रहा है। ऐसे में ऊर्जा आपूर्ति के किसी महत्वपूर्ण स्रोत पर अचानक दबाव आर्थिक असर पैदा कर सकता है। विदेश मंत्रालय का रुख इसी वास्तविकता को सामने रखता है। भारत ने कहा है कि वह 1.4 अरब लोगों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है और बाजार की परिस्थितियों के अनुसार अलग-अलग स्रोतों से ऊर्जा हासिल करता रहेगा। साथ ही अमेरिकी अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बातचीत में भारत ने संभावित असर को लेकर अपनी चिंताएं स्पष्ट की हैं। नई दिल्ली ने यह भी कहा है कि इस घटनाक्रम का प्रभाव केवल द्विपक्षीय संबंधों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार पर भी पड़ सकता है। भारत के सामने चुनौती संतुलन की है। अमेरिका के साथ रणनीतिक और व्यापारिक संबंध महत्वपूर्ण हैं तो रूस के साथ ऊर्जा और अन्य क्षेत्रों के लंबे संबंध भी हैं। ऐसे में किसी एक रिश्ते को दूसरे के बरक्स खड़ा करने के बजाय राष्ट्रीय हितों के आधार पर रास्ता निकालना अधिक व्यावहारिक होगा। यह भी समझना जरूरी है कि अमेरिकी प्रतिनिधि सभा से विधेयक पारित होना और भारत पर तत्काल शुल्क लगना एक ही बात नहीं है। आगे की दिशा इस बात पर निर्भर करेगी कि अमेरिकी प्रशासन इन अधिकारों का इस्तेमाल किस तरह करता है। आदमपुर की कचरा खंती की तरह वैश्विक ऊर्जा बाजार में भी समस्या को केवल दबाने से समाधान नहीं निकलता।

सीमापार से संचालित आतंकी नेटवर्क की चुनौतियां और इस पर सख्ती का संकेत

मनोज कुमार अग्रवाल
स्तंभकार

सीमा पार से संचालित आतंकवाद भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा, संप्रभुता और आंतरिक स्थिरता के लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। इसका सीधा तात्पर्य उस आतंकवादी गतिविधि से है जिसकी योजना, वित्तपोषण और प्रशिक्षण किसी बाहरी देश की धरती पर होता है, लेकिन उसका उद्देश्य भारत में हिंसा और अस्थिरता फैलाना होता है। भारत विशेष रूप से अपनी पश्चिमी सीमा पर पाकिस्तान समर्थित आतंकी नेटवर्कों से लंबे समय से प्रभावित रहा है।

चुनोती यह है कि सीमा पार से संचालित आतंकवाद केवल बंदूक और बम तक सीमित नहीं रहा है, बल्कि अब इसका स्वरूप कहीं अधिक जटिल हो चुका है। संगठित अपराध, नशीले पदार्थों की तस्करी, सोशल मीडिया के जरिए युवाओं की भर्ती, हथियारों की सप्लाई, रेकी और स्थानीय अपराधियों के इस्तेमाल का मिश्रण राष्ट्रीय सुरक्षा के सामने नई चुनौती बनकर उभरा है।

सीमा पार से प्रमुख चुनौतियाँ नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमाओं की कठिन भौगोलिक संरचना पहाड़, नदियां और घने जंगल का फायदा उठाकर आतंकी भारत में प्रवेश करने का प्रयास करते हैं। सीमा के ठीक उस पार आतंकी संगठनों जैसे लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और उनके सहयोगी संगठन जैसे टीआरएफ के ट्रेनिंग कैंप और लॉन्च पैड्स संचालित किए जाते हैं। हाल के वर्षों में सीमा पार से हथियारों, ड्रग्स और जाली नोटों की तस्करी के लिए ड्रोन तकनीक का इस्तेमाल एक नई चुनौती बनकर उभरा है।इस के अलावा भारत में अशांति फैलाने के लिए हवाला नेटवर्क, क्रिप्टोकरेंसी और विदेशी फंडिंग के जरिए स्थानीय मॉड्यूल को वित्तीय मदद पहुंचाई जाती है

आपको बता दें इसी सिलसिले में भारत सरकार द्वारा गैर-कानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए), 1967 की धारा 35 के तहत शहजाद भट्टी नेटवर्क (एसबीएन) को देश की पहली अनुसूची में 46वें आतंकी संगठन के रूप में शामिल करना भारत की आंतरिक सुरक्षा और आतंकवाद के प्रति उसकी जीरो टॉलरेंस (शून्य सहनशीलता) नीति का एक मील का पत्थर है। यह निर्णय केवल एक कानूनी कागजी कार्रवाई नहीं है, बल्कि सीमा पार से संचालित होने वाले उस हाइब्रिड वॉरफेयर और नारको-टेररिज्म के खिलाफ सीधी जंग का ऐलान है, जो पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर भारतीय युवाओं को ढाल बनाकर देश को भीतर से खोखला करने की साजिश रच रहा था। गृह मंत्रालय का यह कदम यह साफ संदेश देता है कि भारत विरोधी गतिविधियों में लिप्त किसी भी नेटवर्क को अब ध्वस्त किए बिना राहत नहीं ली जाएगी। सरकार का कहना है कि यह नेटवर्क युवाओं और स्थानीय अपराधियों को अपने साथ जोड़कर सीमा पार से हथियार, विस्फोटक और नशीले पदार्थ भारत लाने तथा आतंकवादी गतिविधियों के लिए उनका इस्तेमाल करने में शामिल रहा है। अधिसूचना में डिजिटल माध्यमों से भड़काऊ सामग्री प्रसारित करने और प्रतिबंधित संगठनों के साथ मिलकर संसाधन जुटाने जैसे आरोपों का भी उलेख है। यह फैसला अचानक सामने नहीं आया है। 12 अगस्त को सुरक्षा एजेंसियों और विभिन्न राज्यों की पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाया था। गृह मंत्रालय के अनुसार 14 राज्यों में 253 लोगों को हिरासत में लिया गया और शहजाद भट्टी नेटवर्क से जुड़े मामलों में 80 से अधिक प्राथमिकी तथा 200 से अधिक गिरफ्तारियां दर्ज की गई। कार्रवाई के दौरान आईईडी, ग्रेनेड, पिस्तौल, जिंदा कारतूस और निगरानी उपकरण बरामद किए जाने की जानकारी भी सरकार ने दी थी। इस पूरे मामले का सबसे गंभीर पहलू अपराध और आतंकवाद के बीच बनता गठजोड़ है। किसी विदेशी संचालक के लिए हर व्यक्ति को वैचारिक रूप से प्रशिक्षित आतंकवादी बनाना जरूरी नहीं है। स्थानीय अपराधी को पैसा, नशा, हथियार या किसी अन्य लालच के जरिए छोटे-छोटे काम सौंपना कहीं आसान है। कोई हथियार पहुंचाता है, कोई किसी स्थान की रेकी करता है, कोई डिजिटल संपर्क उपलब्ध कराता है और कोई हमला करता है। अलग-अलग दिखने वाले ऐसे अपराध यदि एक केंद्रीय नेटवर्क से संचालित हों तो सुरक्षा एजेंसियों के लिए चुनौती कई गुना बढ़ जाती है। यही कारण है कि आतंकवाद से लड़ाई केवल हमले के बाद अपराधी को गिरफ्तार करने तक सीमित नहीं रह सकती। नेटवर्क के वित्तीय स्रोत, हथियारों की आपूर्ति, डिजिटल संपर्क, स्थानीय भर्ती और सीमा पार बैठे संचालकों की पूरी श्रृंखला की पहचान करना आवश्यक है। किसी नेटवर्क को आतंकवादी संगठन घोषित करने से जांच एजेंसियों को उसके सदस्यों, सहयोगियों, वित्तीय लेन-देन और गतिविधियों की जांच के लिए व्यापक कानूनी आधार मिलता है। लेकिन किसी संगठन को सूची में डालना अपने आप में अंतिम समाधान नहीं है। वास्तविक सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि उसके स्थानीय मॉड्यूल, धन के स्रोत और हथियार पहुंचाने वाली कड़ियां कितनी प्रभावी ढंग से समाप्त की जाती हैं। सरकार ने शहजाद भट्टी नेटवर्क को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई समर्थित नेटवर्क बताया है। पाकिस्तान के लिए भी यह विषय केवल भारत के साथ उसके द्विपक्षीय संबंधों का मुद्दा नहीं होना चाहिए। किसी देश की जमीन पर आतंकवादी और आपराधिक नेटवर्क सक्रिय रहते हैं तो अंततः वे उसी देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए भी खतरा बनते हैं। आतंकवाद को कथित रणनीतिक हितों के आधार पर अच्छे और बुरे आतंकवाद में चयन की नीति लंबे समय में किसी भी समाज को सुरक्षित नहीं रख सकती। पाकिस्तान को अपने यहां सक्रिय उन तत्वों के खिलाफ पारदर्शी और प्रमाणित कार्रवाई करनी चाहिए, जिन पर दूसरे देशों में आतंकवादी या आपराधिक गतिविधियों को संचालित करने के आरोप हैं। भारत के लिए एक और बड़ी चुनौती युवाओं को ऐसे नेटवर्क से बचाना है। गृह मंत्रालय की अधिसूचना में लालच देकर युवाओं और स्थानीय अपराधियों को जोड़ने तथा डिजिटल प्लेटफॉर्म के इस्तेमाल का विशेष उल्लेख किया गया है। इससे साफ है कि आतंकवाद विरोधी रणनीति में पुलिस कार्रवाई के साथ साइबर निगरानी, ड्रग्स के खिलाफ अभियान, वित्तीय खुफिया तंत्र और युवाओं के बीच जागरूकता को भी बराबर महत्व देना होगा। विशेष रूप से ड्रग्स और आतंकवाद का गठजोड़ चिंताजनक है। राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों में केंद्र और राज्यों के बीच समन्वय भी उतना ही जरूरी है। अगस्त में 14 राज्यों में एक साथ हुई कार्रवाई यह दिखाती है कि आतंकवादी नेटवर्क किसी एक राज्य या क्षेत्र तक सीमित नहीं रहते। आतंकवाद से लड़ते हुए सुरक्षा और कानून के शासन-दोनों की रक्षा करनी होगी। शहजाद भट्टी नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई को इसी व्यापक संदर्भमें देखा जाना चाहिए।

इसी क्रम में भारत अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए पड़ोसी देशों के साथ समझौतों और द्विपक्षीय संधियों जैसे सिंधु जल संधि की समीक्षा पर सख्त रुख अपना रहा है ताकि आतंकवाद को राज्य की नीति बनाने वालों को कड़ा संदेश दिया जा सके।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

सेमीकंडक्टर उद्योग के विस्तार से विकसित भारत के सपने को नई रफ्तार

कांतिलाल मांडोत
स्तंभकार

भारत तेजी से उस दौर में प्रवेश कर रहा है, जहां देश की औद्योगिक क्षमता केवल पारंपरिक उद्योगों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि अत्याधुनिक तकनीक और इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण भी उसकी आर्थिक शक्ति का महत्वपूर्ण आधार बनेंगे। सेमीकंडक्टर उद्योग इसी बदलाव का प्रमुख हिस्सा है। दुनिया में सेमीकंडक्टर और चिप निर्माण को लेकर प्रतिस्पर्धा लगातार बढ़ रही है। ऐसे समय में भारत ने इस क्षेत्र को किसी एक शहर या एक राज्य तक सीमित रखने के बजाय अलग-अलग राज्यों में इसकी पूरी श्रृंखला विकसित करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। यह प्रयास विकसित भारत के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण औद्योगिक और तकनीकी कदम माना जा सकता है।

सेमीकंडक्टर आज लगभग हर आधुनिक तकनीक की बुनियाद है। मोबाइल फोन, कंप्यूटर, वाहन, चिकित्सा उपकरण, अंतरिक्ष तकनीक, रक्षा प्रणालियां, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और अनेक इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में चिप का इस्तेमाल होता है। इसलिए जिस देश के पास चिप निर्माण, डिजाइन, परीक्षण और इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन की मजबूत क्षमता होगी, उसकी तकनीकी और आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी। भारत इसी आवश्यकता को समझते हुए सेमीकंडक्टर की पूरी मूल्य श्रृंखला को देश में विकसित करने की कोशिश कर रहा है।

इस दिशा में गुजरात सबसे महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभर रहा है। धोलेरा में टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स की बड़ी फैब परियोजना के साथ राज्य में सेमीकंडक्टर निर्माण का मजबूत आधार तैयार हो रहा है। साणंद में माइक्रोन की पैकेजिंग और परीक्षण सुविधा, सीजी पावर और रेनेसास की इकाई तथा कायन्स सेमीकॉन की सुविधा ने इस क्षेत्र को और व्यापक बनाया है। गुजरात की विशेषता यह है कि यहां केवल चिप निर्माण की इकाइयां ही नहीं, बल्कि उद्योगों के लिए जरूरी बिजली, पानी, गैस, जमीन, परिवहन और बंदरगाह जैसी सुविधाओं का मजबूत ढांचा भी मौजूद है। इससे भविष्य में सेमीकंडक्टर से जुड़े छोटे-बड़े उद्योगों और सहायक इकाइयों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार हो सकता है। कर्नाटक ने सेमीकंडक्टर क्षेत्र में अपनी अलग विशेषज्ञता विकसित की है। बेंगलूरु लंबे समय से सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स और चिप डिजाइन से जुड़ी प्रतिभाओं का प्रमुख केंद्र रहा है। यहां अनुसंधान, डिजाइन, परीक्षण और तकनीकी विकास से जुड़ी क्षमताएं पहले से मौजूद हैं। उन्नत सेमीकंडक्टर प्रयोगशालाओं और परीक्षण सुविधाओं के विस्तार से भारत के चिप उद्योग को डिजाइन से लेकर गुणवत्ता परीक्षण तक आवश्यक तकनीकी आधार मिलने की उम्मीद है। इसका लाभ देश में नई तकनीकी प्रतिभाओं और रोजगार के अवसरों को भी मिल सकता है। तमिलनाडु भी इलेक्ट्रॉनिक्स और विनिर्माण के मजबूत आधार के कारण सेमीकंडक्टर क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। राज्य में पहले से मौजूद इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन का ढांचा, कुशल मानव संसाधन और औद्योगिक वातावरण नई परियोजनाओं के लिए आधार तैयार कर रहे हैं। इसी तरह असम ने भी सेमीकंडक्टर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। इससे यह संकेत मिलता है कि देश में चिप उद्योग का विकास केवल पश्चिमी और दक्षिणी औद्योगिक क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहने वाला, बल्कि पूर्वोत्तर भारत भी इस नई औद्योगिक श्रृंखला का हिस्सा बन सकता है।

राजस्थान में भी इस दिशा में शुरुआत हो चुकी है। भिवाड़ी में सेमीकंडक्टर पैकेजिंग और परीक्षण से जुड़ी सुविधा स्थापित हुई है। राज्य ने सेमीकंडक्टर क्षेत्र के लिए अलग नीति बनाकर इस उद्योग को आकर्षित करने की दिशा में प्रयास तेज किए हैं। जोधपुर, पाली और मारवाड़ तथा कांकाणी जैसे क्षेत्रों को प्राथमिकता देने की योजनाएं इस बात का संकेत हैं कि राजस्थान भी इस उभरते उद्योग में अपनी भूमिका बढ़ाना चाहता है। हालांकि उसके सामने चुनौती यह है कि एक-दो इकाइयों से आगे बढ़कर डिजाइन, पैकेजिंग, उपकरण, सामग्री और इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण से जुड़ी पूरी आपूर्ति श्रृंखला विकसित की जाए।

मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों के लिए भी यह क्षेत्र नई औद्योगिक संभावनाएं पैदा कर सकता है। सेमीकंडक्टर उद्योग केवल बड़ी फैक्ट्रियों तक सीमित नहीं रहता। इसके साथ उपकरण निर्माण, विशेष सामग्री, इलेक्ट्रॉनिक घटक, पैकेजिंग, परीक्षण, परिवहन, भंडारण और तकनीकी सेवाओं से जुड़े अनेक उद्योग विकसित होते हैं। यदि अलग-अलग राज्य अपनी स्थानीय औद्योगिक क्षमता और उपलब्ध संसाधनों के आधार पर इन क्षेत्रों में विशेषज्ञता विकसित करें तो देश में एक व्यापक और परस्पर जुड़ी हुई सेमीकंडक्टर श्रृंखला तैयार हो सकती है।

भारत के लिए इसका सबसे बड़ा महत्व आत्मनिर्भरता से जुड़ा है। दुनिया में आपूर्ति श्रृंखला में किसी भी तरह का व्यवधान इलेक्ट्रॉनिक्स और तकनीकी उद्योगों को प्रभावित कर सकता है। घरेलू स्तर पर चिप निर्माण और उससे जुड़ी सुविधाओं का विस्तार होने से भारत की बाहरी निर्भरता कम करने में मदद मिल सकती है। साथ ही देश में बनने वाले मोबाइल फोन, वाहन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और रक्षा प्रणालियों के लिए जरूरी तकनीकी घटकों की उपलब्धता मजबूत हो सकती है।

इस पूरे अभियान का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष रोजगार और कौशल विकास है। सेमीकंडक्टर उद्योग में उच्च तकनीकी विशेषज्ञों के साथ बड़ी संख्या में प्रशिक्षित तकनीशियनों, इंजीनियरों और सहायक कर्मचारियों की आवश्यकता होती है। अलग-अलग राज्यों में इकाइयां स्थापित होने से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ सकते हैं। इसके साथ ही विश्वविद्यालयों, तकनीकी संस्थानों और उद्योगों के बीच सहयोग बढ़ाकर नई पीढ़ी को आधुनिक तकनीक के लिए तैयार किया जा सकता है।

एक समय था जब भारत को चिप और अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक घटकों के लिए बड़ी मात्रा में विदेशों पर निर्भर रहना पड़ता था। अब देश उसी क्षेत्र में अपनी क्षमता विकसित करने की तैयारी कर रहा है। गुजरात में निर्माण और पैकेजिंग, कर्नाटक में डिजाइन और परीक्षण, तमिलनाडु में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, राजस्थान में नई इकाइयों की शुरुआत और अन्य राज्यों में बन रहे औद्योगिक आधार मिलकर एक बड़े राष्ट्रीय प्रयास का रूप ले रहे हैं। यह केवल सेमीकंडक्टर उद्योग का विस्तार नहीं है, बल्कि भारत को तकनीकी रूप से सक्षम, औद्योगिक रूप से मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बढ़ता कदम है। विकसित भारत की यात्रा में छोटी सी चिप भविष्य की बड़ी औद्योगिक शक्ति का आधार बन सकती है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

बार-बार एक नाक बंद हो जाए और सांस लेने में हो परेशानी तो कराएं जांच

कई लोगों को रात में या दिन के किसी समय ऐसा महसूस होता है कि एक नथुने से सांस लेने में परेशानी हो रही है, जबकि दूसरा नथुना पूरी तरह खुला है। कुछ लोगों में यह स्थिति कुछ समय के बाद अपने आप बदल जाती है, लेकिन अगर एक ही तरफ नाक हमेशा बंद रहती है, तो इसके पीछे कोई और कारण भी हो सकता है। दरअसल, नाक में नेजल साइकिल नाम की एक प्राकृतिक प्रक्रिया होती है, जिसके दौरान दोनों नथुनों में हवा का बहाव बारी-बारी से कम- ज्यादा होता रहता है। वहीं, करवट लेकर सोना, एलर्जी, सर्दी-जुकाम या नाक के अंदर सूजन इस ब्लॉकेज को ज्यादा महसूस करा सकती है। कुछ मामलों में नाक के अंदर के हिस्से में सूजन, नाक की हड्डी का मुड़ना भी एक नथुने के बंद होने की वजह बन सकता है।

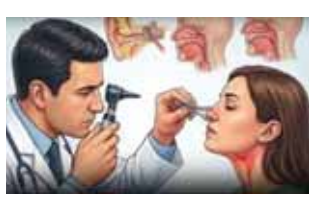

एनसीबीआई के मुताबिक नाक के अंदर मौजूद ब्लड वैसल्स यानी नसे और इरेक्टाइल टिशूज में रक्त का प्रवाह बदलता रहता है। जब एक तरफ का टिशू थोड़ा फूलता है, तो उस नथुने से हवा का रास्ता संकरा हो जाता है। उसी समय दूसरी तरफ अपेक्षाकृत ज्यादा एयर फ्लो हो सकता है। कुछ समय बाद बदल सकती है। एक अध्ययन में 50 स्वस्थ लोगों में नेजल एयर फ्लो को कई घंटों तक मापा गया। शोधकर्ताओं ने पाया कि 72 प्रतिशत प्रतिभागियों में स्पष्ट नेजल साइकिल देखा गया। सामान्य परिस्थितियों में लोग इसे महसूस भी नहीं कर पाते क्योंकि दोनों नथुनों के कुल एयरफ्लो में बड़ा बदलाव जरूरी नहीं होता। दिन में खड़े या बैठे रहने के मुकाबले रात में बिस्तर पर लेटने के बाद नेजल ब्लॉकेज ज्यादा महसूस होना आम बात है। इसका संबंध शरीर की पोजीशन और नाक के अंदर ब्लड फ्लो से हो सकता है। एनसीबीआई के अनुसार जब आप लेटते हैं, तो नेजल म्यूकोसा में ब्लड वॉल्यूम और टिशू में होने वाली सूजन में बदलाव आ सकता है। अगर आप किसी एक करवट लेटते हैं, तो नीचे वाली साइड की नाक ज्यादा बंद महसूस हो सकती है। क्लीवलैंड क्लीनिक के मुताबिक एलर्जिक राइनाइटिस में पोलन, धूल के कण, मोल्ड, पालतू जानवरों के बालों और रूसी के कण जैसे एलर्जन्स के संपर्क में आने पर शरीर की इम्यून रिस्पॉन्स सक्रिय हो सकती है। इससे नाक में कंजेशन, बार-बार छींक आना, खुजली और पानी जैसा डिसचार्ज हो सकता है।

निशाना

ठूँठ बचे हैं

मनोज साहू 'निडर'

जंगल कट गए, ठूँठ बचे हैं।
चिड़ियाघर में ऊँट बचे हैं।
पीने वालों, होश में आओ,
बोतल खाली, घूँट बचे हैं।
धारदार अब हुई जुबानें,
म्यानों में बस मूठ बचे हैं।
अफसर बेटे फुर्र उड़े सब,
बाट जोहते खूँट बचे हैं।
ध्यान-ज्ञान अब दूर मठों से,
हुक्का-सुट्टा, फूँक बचे हैं।
रिश्तों के गलियारे फीके,
रोज तमाशे, झूठ बचे हैं।
स्कूलों से ज्ञान न पूछो,
बस्ता, वर्दी, बूट बचे हैं।

यूजर्स गाइड

राउटर के पीछे USB पोर्ट के फायदे, पेनड्राइव से डोंगल तक कर सकते हैं इस्तेमाल

ज्यादातर वाईफाई इंटरनेट राउटर के पीछे वायर वाले पोर्ट्स के साथ एक स्क्रपोर्ट भी होता है। लोग अक्सर इसे अनदेखा कर देते हैं, लेकिन यह बहुत काम का फीचर है। इस स्क्रपोर्ट में पेनड्राइव या हार्ड डिस्क लगाकर आप अपने डेटा को पूरे घर के नेटवर्क पर शेयर कर सकते हैं, यानी इसे अपनी पर्सनल नेटवर्क ड्राइव बना सकते हैं। इसके अलावा, अगर कभी आपका मेन ब्रॉडबैंड या वाई-फाई बंद हो जाए, तो इसमें मोबाइल का 4G/5G डोंगल लगाकर बैकअप इंटरनेट भी चला सकते हैं।

असल में, राउटर भी एक छोटे कंप्यूटर की तरह होता है, जिसमें अपना प्रोसेसर और मेमोरी होती है। नए राउटर्स में दिए गए फास्ट USB 3.0 पोर्ट की मदद से आप बिना किसी झंझट के ये सारे काम बहुत आसानी और तेजी से कर सकते हैं। आइये, वाई-फाई राउटर के पोर्ट के उपयोगी इस्तेमाल जानते हैं।

आपके WiFi राउटर के USB पोर्ट का एक और आम इस्तेमाल प्रिंटर शेयरिंग है। अगर आपके पास कोई पुराना या सस्ता प्रिंटर है, जिसमें Wi-Fi नहीं है, तो भी आप वायरलेस तरीके से प्रिंट कर सकते हैं और आपको अपने प्रिंटर को अलग-अलग कंप्यूटर से कनेक्ट करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। हालांकि, यह आपके राउटर और प्रिंटर की कम्पैटिबिलिटी पर भी निर्भर करता है।

डोंगल लगाकर कर लें इस्तेमाल: कुछ राउटर के USB पोर्ट में आप 4G या 5G डोंगल लगाकर इंटरनेट चला सकते हैं। हालांकि, यह फीचर हर राउटर में नहीं होता क्योंकि इसके लिए राउटर में सही सॉफ्टवेयर होना जरूरी है। अगर आपका राउटर इसे सपोर्ट करता है, तो आप डोंगल का इस्तेमाल अपने प्राइमरी इंटरनेट की तरह कर सकते हैं। या फिर, इसे बैकअप के रूप में रख सकते हैं। ताकि जब भी आपका मेन वाई-फाई बंद पड़े तो यह तुरंत अपने आप चालू हो जाए और आपका काम ना रुके। इसे ही डुअल WAN फेलओवर या मल्टी-WAN कहा जाता है। अपने राउटर को स्टोरेज सर्वर में बदलने से पहले कुछ बदलाव करने होंगे। कई पुराने मॉडल केवल USB 2.0 स्पीड हैं। यह 480Mbps या 60MBps है, जिसका अर्थ है कि बड़ी मात्रा में डेटा ट्रांसफर करने में घंटों लगेंगे।

अजब - गजब

12 फीट के किंग कोबरा ने निगला अजगर, रेस्क्यू के दौरान उगल दिया

कर्नाटक के बेलथंगडी इलाके में एक ऐसा नजारा सामने आया, जिसे देखकर मौके पर मौजूद लोग हैरान रह गए। यहां करीब 12 फीट लंबा किंग कोबरा एक अजगर को निगल रहा था। मामला 11 सितंबर का बताया गया है। बेलथंगडी तालुक के तेनककरंदूर गांव के कडिंग इलाके में एक परिवार ने अपने बगीचे में विशालकाय सांप को देखा। पास जाकर पता चला कि किंग कोबरा ने एक अजगर को अपने मुंह में दबा रखा था और उसे निगलने की कोशिश कर रहा था।

परिवार ने तुरंत सांप पकड़ने वाले विशेषज्ञ को सूचना दी। मौके पर पहुंचे रेस्क्यूअर अशोक ने किंग कोबरा को सुरक्षित तरीके से पकड़ने की कोशिश शुरू की। इसी दौरान अचानक ऐसा घटनाक्रम हुआ, जिसने पूरे रेस्क्यू ऑपरेशन को ही असामान्य बना दिया। कोबरा ने पहले से निगला हुआ अजगर वापस उगल दिया। यानी जिस शिकार को वह निगल रहा था, उसे रेस्क्यू के बीच ही बाहर निकाल दिया। करीब 12 फीट लंबा किंग कोबरा देखकर आसपास के लोग भी काफी देर तक मौके पर जुटे रहे। रेस्क्यूअर ने सावधानी से सांप को नियंत्रित किया, ताकि वह किसी व्यक्ति को नुकसान न पहुंचाए। इसके बाद उसे सुरक्षित पकड़कर जंगल वाले इलाके में छोड़ दिया गया।

सांपों का शिकारी है किंग कोबरा: किंग कोबरा का अजगर को निगलना सुनने में जितना असाधारण लगता है, उसके भोजन की आदतों के लिहाज से यह पूरी तरह असंभव घटना नहीं है। किंग कोबरा का वैज्ञानिक वंश Ophiophagus है, जिसका अर्थ ही लगभग 'सांप खाने वाला' होता है। दूसरे सांप इसके भोजन का प्रमुख हिस्सा हैं। इसके शिकार में जहरीले और गैर-जहरीले दोनों तरह के सांप शामिल हो सकते हैं। किंग कोबरा आमतौर पर दूसरे सांपों का शिकार करता है और उसकी लंबाई भी उसे कई अन्य सांपों की तुलना में अलग बनाती है। हालांकि इस घटना में खास बात यह रही कि शिकार को निगलते समय ही रेस्क्यू शुरू हो गया और किंग कोबरा ने अजगर को वापस बाहर निकाल दिया। बगीचे में अचानक इतने बड़े सांप को अजगर के साथ देखकर परिवार ने तत्काल मदद मांगी। सोशल मीडिया और स्थानीय स्तर पर भी इस घटना की चर्चा हुई। रेस्क्यू के दौरान अजगर को वापस उगलते किंग कोबरा का दृश्य सबसे ज्यादा चौंकाने वाला रहा। अंततः रेस्क्यू टीम ने किंग कोबरा को सुरक्षित पकड़ लिया और जंगल में छोड़ दिया। घटना ने यह भी दिखाया कि इंसानी बस्तियों के आसपास वन्यजीवों की मौजूदगी कितनी अप्रत्याशित हो सकती है।

न्यूज विंडो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर ग्राम दोनी में किया किया पौधरोपण

तेंदूखेड़ा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर ग्राम दोनी में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, सूर्य सेवा समिति एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के संयुक्त तत्वावधान में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। दोनी सरकार प्रांगण और माध्यमिक शाला परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए। इस दौरान ग्रामीणों, युवाओं, समिति सदस्यों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उनकी नियमित देखभाल और सुरक्षा भी सामूहिक जिम्मेदारी है। सभी उपस्थित लोगों ने लगाए गए पौधों के संरक्षण का संकल्प लेते हुए गांव को हरा-भरा बनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम में विकासखंड समन्वयक दीपचंद मालवीय, नवांकुर संस्था सूर्य सेवा समिति झरौली के प्रीतम सिंह केवट, समिति अध्यक्ष सुरेंद्र यादव, हरिओम यादव सहित शिक्षकगण मौजूद रहे।

एसपी के दरबार पहुंचीं घायल छात्राएं, ई-रिक्शा चालक पर कार्रवाई की मांग की

तेंदूखेड़ा। ग्राम सेहरी के पास 1 सितंबर को ई-रिक्शा पलटने से घायल हुईं दो छात्राएं उपचार के बाद शुक्रवार को परिजनों के साथ एसपी कार्यालय पहुंचीं। उन्होंने ई-रिक्शा चालक के खिलाफ कार्रवाई और इलाज में हुए खर्च का मुआवजा दिलाने की मांग की। हादसे में करीब आधा दर्जन छात्राएं घायल हुई थीं। गंभीर घायल अभिलाषा चढ़ार और अंजनी गौंड को जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया था। उपचार के बाद स्वास्थ्य में सुधार होने पर दोनों एसपी से मिलने पहुंचीं। परिजनों का आरोप है कि 3 सितंबर को थाने में शिकायत के बावजूद चालक पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। एसपी ने मामले की जांच कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

एकीकृत माध्यमिक शाला नरगुवा माल में सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ

तेंदूखेड़ा। तेंदूखेड़ा ब्लॉक की ग्राम पंचायत नरगुवा माल स्थित शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला में 'स्वच्छता ही सेवा संकल्प अभियान 2026' का शुभारंभ किया गया। अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा। शुभारंभ कार्यक्रम में शाला के शिक्षक-शिक्षिकाओं, ग्राम रोजगार सहायक, सचिव सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। इस दौरान विद्यार्थियों को अभियान के आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी गई और स्वच्छता गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता निभाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने और आसपास के वातावरण को साफ-सुथरा रखने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर शाला प्राचार्य सत्येंद्र जैन, शांति नरवरिया, ग्राम सचिव रोशनी लोधी, रोजगार सहायक सचिव बृजेश लोधी, विजय उपाध्याय, लक्ष्मण केवट सहित शिक्षकगण एवं पंचायत अधिकारी उपस्थित रहे।

तारादेही मंडल में जला 'आशीर्वाद का दीप' कार्यकर्ताओं ने लिया सेवा का संकल्प

तारादेही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर गुरुवार को भाजपा मंडल तारादेही के सभी बूथों पर 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत 'आशीर्वाद का दीप' जलाया गया।

विधानसभा क्षेत्र 56 जबेरा के तारादेही मंडल में आयोजित कार्यक्रम में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की। इस दौरान प्रधानमंत्री के दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए सेवा और जनकल्याण के कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष डॉ. मनोहर लोधी, मंडल उपाध्यक्ष हाकम सिंह, कोषाध्यक्ष भगत सिंह, मंडल मंत्री रत्नेश साहू, परसोत्तम यादव, मोहन पाल, विपिन सेन सहित विभिन्न बूथों के अध्यक्ष, मंडल पदाधिकारी, वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

चोरी की बाइक के साथ आरोपी गिरफ्तार

नर्मदापुरम। जीआरपी नर्मदापुरम चौकी पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के मामले में आरोपी दीपक प्रजापति (35), निवासी रातीबड़ भोपाल को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से करीब 60 हजार कीमत की चोरी की बाइक बरामद की। पुलिस के अनुसार 5 मई 2026 को बाइक चोरी हुई थी। जीआरपी इटारसी थाना प्रभारी ने आरोपी की तलाश के लिए टीम गठित की थी। 18 सितंबर को मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ा गया।

169वां राजा शंकर शाह कुंवर रघुनाथ शाह बलिदान दिवस मनाया गया

तारादेही/तेंदूखेड़ा। ग्राम समनापुर में भगवती मानव कल्याण संगठन शाखा तेंदूखेड़ा के तत्वावधान में अमर शहीद राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह का बलिदान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम से पहले संगठन कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने नशामुक्ति जनजागरण रैली निकाली। प्रमुख मार्गों से होते हुए रैली आयोजन स्थल पहुंची। यहां अतिथियों ने शहीदों की छवि के समक्ष दीप प्रज्वलित कर तिलक एवं माल्यार्पण किया। संगठन अध्यक्ष राजेश सिंह और भारतीय शक्ति चेतना पार्टी ब्लॉक अध्यक्ष चंद्रप्रताप सिंह तेकाम ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी, ग्रामीण और कार्यकर्ता मौजूद रहे। मंच संचालन अनूप सिंह ने किया।

बड़े बाबा के दरबार में बह रही धर्मगंगा, धार्मिक अनुष्ठानों के साथ प्रतियोगिताओं का भी उत्साह

तेंदूखेड़ा। नगर के श्री शांतिनाथ भगवान मंदिर में आयोजित धार्मिक महोत्सव के तहत इन दिनों श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का माहौल है। 'बड़े बाबा के दरबार में महोत्सव पुण्य का' आयोजन में श्रद्धालु अभिषेक, शांतिधारा और धार्मिक अनुष्ठानों में सहभागी बन रहे हैं। उत्तम आर्जव धर्म दिवस पर विभिन्न श्रद्धालु परिवारों ने शांतिधारा एवं इंद्र बनने का पुण्यार्जन किया। धार्मिक आयोजनों के साथ सामाजिक सहभागिता बढ़ाने के लिए 'एक मिनट' और ताम्बोला जैसी मनोरंजक प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं, जिनमें समाजजनों ने उत्साह से भाग लिया। रात्रिकालीन कार्यक्रमों में विशेष रोमांच देखने को मिला। मंदिर परिसर सुबह की धर्माराधना से लेकर रात के कार्यक्रमों तक भक्ति, संस्कार, आनंद और सामाजिक सौहार्द का केंद्र बना हुआ है।

दशलक्षण पर्व में गूंजा सरलता का संदेश मंदिर में उत्तम आर्जव धर्म की आराधना

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

ब्लॉक के झलौन स्थित श्री 1008 चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर में चल रहे दशलक्षण पर्व के तीसरे दिन श्रद्धालुओं ने उत्तम आर्जव धर्म की आराधना की। सुबह भगवान जिनेंद्र देव का अभिषेक और शांतिधारा विधि-विधान से संपन्न हुई। जैन धर्म में उत्तम आर्जव का अर्थ मन, वचन और कर्म में सरलता एवं एकरूपता से है। श्रद्धालुओं ने छल-कपट और कुटिलता त्यागकर सरल जीवन जीने का संकल्प लिया। पर्व के दौरान 'एक मिनट' प्रतियोगिता सहित विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए, जिनमें महिला, पुरुष, युवा और बच्चों ने उत्साह से भाग लिया। शांतिधारा का पुण्य लाभ शैलेश जैन, राकेश जैन, आशीष जैन और हल्केलाल जैन ने प्राप्त किया। मंदिर परिसर दिनभर भक्तिमय रहा।

अवैध रेत-ग्रेवल उत्खनन पर कार्रवाई, टीम को देखते ही चालक-मजदूर भागे

डेढ़ माह बाद फिर खर्राघाट में प्रशासन का छापा, तीन ट्रैक्टर-ट्रॉलियां जब्त

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

खर्राघाट में नर्मदा ब्रिज के पास अवैध रेत और ग्रेवल उत्खनन की शिकायतों के बाद शुक्रवार को प्रशासन, खनिज विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने डोंगरवाड़ा क्षेत्र में दबिश दी। कार्रवाई के दौरान अवैध उत्खनन में लगी तीन ट्रैक्टर-ट्रॉलियां जब्त की गईं। टीम के पहुंचते ही रेत भर रहे मजदूर और चालक वाहन छोड़कर भाग गए। कुछ चालकों को टीम अपने साथ लेकर आई, जिनसे पूछताछ की जा रही है।

करीब डेढ़ माह पहले 4 अगस्त को भी प्रशासन और खनिज विभाग ने यहां कार्रवाई कर रेत खदान तक पहुंचने वाले रास्ते नष्ट किए थे। इसके बाद नर्मदा का जलस्तर बढ़ने से कुछ समय तक गतिविधियां थमी रहीं। जलस्तर घटते ही पिछले दिनों फिर अवैध उत्खनन और परिवहन की शिकायतें सामने आने लगीं।

शुक्रवार को अतिरिक्त पुलिस बल, जिला खनिज अधिकारी और तहसीलदार के पहुंचने के बाद मौके पर मौजूद लोग हट गए। टीम ने क्षेत्र में अवैध रूप से जमा रेत के स्टॉक की भी जांच की। अधिकारियों के अनुसार, डोंगरवाड़ा रेत खदान शासन द्वारा किसी को आवंटित नहीं है। इसके बावजूद यहां उत्खनन और परिवहन किया जा रहा था। जिला खनिज अधिकारी दिवेश मरकाम

ने बताया कि तीन ट्रैक्टर-ट्रॉलियां जब्त कर कुछ चालकों से पूछताछ की जा रही है।

चार अगस्त को रास्ते किए थे नष्ट, फिर मिला रेत का स्टॉक

खर्राघाट के डोंगरवाड़ा क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन को लेकर प्रशासन ने 4 अगस्त को भी कार्रवाई की थी। उस दौरान रेत खदान तक पहुंचने वाले रास्तों को नष्ट कर रेत के ढेर हटाकर जमीन समतल कराई गई थी। इसके बाद नर्मदा का जलस्तर बढ़ने से कुछ समय तक अवैध उत्खनन रुका रहा। जलस्तर कम होते ही गतिविधियां दोबारा शुरू होने की शिकायतें सामने आईं। शुक्रवार की कार्रवाई में टीम को नदी किनारे फिर अवैध रूप से जमा रेत का स्टॉक मिला। अधिकारियों ने मौके की जांच कर संबंधित गतिविधियों पर कार्रवाई की।

जलस्तर बढ़ने पर नदी से वाहन निकालना होता है मुश्किल

अधिकारियों के अनुसार नर्मदा का जलस्तर बढ़ने पर नदी क्षेत्र में उतरे ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को बाहर निकालना मुश्किल हो जाता है। इसी वजह से अवैध उत्खनन करने वाले नदी किनारे रेत जमा कर बाद में उसका परिवहन करते हैं। डोंगरवाड़ा की रेत खदान शासन की ओर से किसी को आवंटित नहीं होने के बावजूद यहां उत्खनन और परिवहन की शिकायतें सामने आई हैं। स्थानीय स्तर पर यह जानकारी भी सामने आई है कि यहां से निकाली गई रेत का कुछ हिस्सा बुदनी क्षेत्र में ले जाकर बेचा जाता है। अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

श्री गणेश जन्मोत्सव समारोह में हुई वाद विवाद प्रतियोगिता

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

श्री गणेश जन्मोत्सव समारोह के तहत गुरुवार रात वाद-विवाद एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में शहर के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों की कक्षा 9 से 12 तक के करीब 20 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। 'सोशल मीडिया रील संस्कृति क्या सनातन धर्म के युवाओं के रचनात्मक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों को नष्ट कर रही है' विषय पर विद्यार्थियों ने पक्ष और विपक्ष में अपने विचार प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किए। निर्णायक मंडल ने प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों के आधार पर पक्ष में केडीबीएम स्कूल की छात्रा भावना दांगी को प्रथम और सरस्वती शिशु मंदिर की यशिका सोनी को द्वितीय पुरस्कार दिया। विपक्ष में शासकीय सांदीपनि स्कूल के छात्र अंशुल शर्मा प्रथम और शासकीय मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल की छात्रा वर्षा चिराढ़ द्वितीय रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता तहसीलदार अभिषेक पांडे ने की। निर्णायक मंडल में लालचंद राजपूत, नीति टंडन और अभिषेक सुमन लटेरी शामिल रहे। बड़ी संख्या में शिक्षक, समिति सदस्य और विद्यार्थी मौजूद रहे।

ग्लोबल स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में विकसित भारत 2047 पर परिचर्चा

विद्यार्थियों ने युवाओं की भूमिकापर रखे विचार

ओबेदुल्लागंज। दोपहर मेट्रो

ग्लोबल स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, ओबेदुल्लागंज में विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर विकसित भारत 2047 विषय पर विद्यार्थियों की परिचर्चा आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने युवाओं की भूमिका, शिक्षा, कौशल विकास, तकनीक, आत्मनिर्भरता, महिला नेतृत्व, उद्यमिता, पर्यावरण संरक्षण और नागरिक जिम्मेदारी जैसे विषयों पर अपने विचार रखे।

विश्वकर्मा जयंती के संदर्भ में विद्यार्थियों ने निर्माण, कौशल और मेहनत की परंपरा को विकसित भारत के लक्ष्य से जोड़ते हुए कहा कि देश के विकास के लिए ज्ञान के साथ हुनर और नवाचार भी जरूरी हैं। कार्यक्रम की खास बात रही कि पूरी परिचर्चा का संचालन और मॉडरेशन विद्यार्थियों ने स्वयं किया। उन्होंने आत्मविश्वास के साथ अपने विचार रखे और एक-दूसरे के प्रश्नों का उत्तर दिया। दर्शक विद्यार्थियों ने भी कई रोचक प्रश्न पूछकर चर्चा को संवादात्मक बनाया।

मुख्य अतिथि डॉ. गीतिश्ना प्रसाद, कंसल्टेंट, अटल बिहारी वाजपेयी इंस्टीट्यूट ऑफ गुड गवर्नेंस एंड पॉलिसी एनालिसिस, भोपाल ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। वे उद्यमिता और नीति अनुसंधान के क्षेत्र में कार्यरत हैं तथा आईसीएसएसआर के विकसित भारत 2047 राष्ट्रीय सेमिनार में बेस्ट पेपर अवॉर्ड प्राप्त कर चुकी हैं। उद्यमिता प्रशिक्षक कनिका शर्मा भी उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम डॉ. सोनल मेहता के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। प्राचार्य लालिता जेमन ने विद्यालय टीम के साथ कार्यक्रम की योजना, समन्वय और सफल क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जन विश्वास शिविर : 106 आवेदनों का निपटारा 44 हितग्राहियों को मिला योजनाओं का लाभ

208 फार्मर आईडी और 50 आयुष्मान कार्ड बने

नर्मदापुरम/इटारसी। दोपहर मेट्रो

सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ लेने के लिए लोगों को अलग-अलग दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें, इसके लिए शुक्रवार को कृषि उपज मंडी इटारसी में मुख्यमंत्री जन विश्वास जन संवाद शिविर आयोजित किया गया। सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित शिविर में विभिन्न विभागों को प्राप्त 121 आवेदनों में से 106 का मौके पर ही निराकरण किया गया। 208 फार्मर आईडी और 50 आयुष्मान कार्ड बनाए गए, जबकि 44 हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया गया।

शिविर में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा, सांसद दर्शन सिंह चौधरी, राज्यसभा सांसद माया नारोलिया, विधायक प्रेमशंकर वर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे, कलेक्टर सोमेश मिश्रा और जिला पंचायत सीईओ हिमांशु

जैन सहित जनप्रतिनिधि व अधिकारी मौजूद रहे। कलेक्टर ने नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों से निराकरण की जानकारी ली। उद्यम संवाद में सरकारी योजनाओं की मदद से कारोबार शुरू करने वाले उद्यमियों ने अपने अनुभव साझा किए। अतुल दुबे ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र खेड़ा में प्रभात इंजीनियरिंग उद्योग स्थापित कर 30 से 40 लोगों को रोजगार दिया जा रहा है। अन्य उद्यमियों ने भी ऋण और सरकारी सहायता से कारोबार शुरू करने की जानकारी दी। शिविर में पेंशन, राशन कार्ड, विवाह पंजीयन, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र और प्रधानमंत्री आवास योजना सहित कई सेवाओं का लाभ दिया गया। 15 आधार अपडेट, 28 समग्र ई-केवाईसी, 45 आभा कार्ड और 85 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। आयुष विभाग ने 361 लोगों को दवाइयां वितरित कीं, जबकि दो युवाओं को रोजगार के नियुक्ति पत्र भी दिए गए।

मेट्रो एंकर सिंधी कैंप में दबिश के दौरान अमले पर पथराव, छत से कूदकर फरार हुए संदिग्ध, पांच वन परिक्षेत्रों की संयुक्त टीम ने की कार्रवाई

सागौन तस्करों पर वन-पुलिस का शिकंजा, 20 नग लकड़ी और कार जब्त

ओबेदुल्लागंज। दोपहर मेट्रो

सिंघौरी अभयारण्य के बाड़ी वन परिक्षेत्र में शुक्रवार को वन विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने अवैध सागौन तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 20 नग सागौन की सिल्लियां और तस्करी में प्रयुक्त टाटा विस्टा कार जब्त की। कार्रवाई के दौरान संदिग्धों ने टीम पर पथराव किया और मकान की छत से कूदकर फरार हो गए।

वन विभाग को 18 सितंबर को बाड़ी क्षेत्र में अवैध लकड़ी के परिवहन और भंडारण की सूचना मिली थी। इसके बाद परिक्षेत्र

अधिकारी बाड़ी के नेतृत्व में विशेष दल गठित किया गया। इसमें बाड़ी, बम्होरी, विनेका, सुल्तानपुर और चिलवाहा वन परिक्षेत्रों का अमला शामिल था। पुलिस बल को भी कार्रवाई में शामिल किया गया। संयुक्त टीम ने तलाशी वारंट के साथ सिंधी कैंप में संदिग्ध दरवेश पिता गुलाब सिंह, सुरेश पिता गुलाब सिंह और बग्गा पिता थाकन सिंह के ठिकाने पर दबिश दी। तलाशी के दौरान 20 नग सागौन सिल्लियां बरामद हुईं, जिनका कुल आयतन 0.378 घनमीटर और अनुमानित बाजार मूल्य करीब 40 हजार रुपए बताया गया है। साथ ही कार भी जब्त की गई। जप्ती की कार्रवाई के दौरान पथराव होने से टीम को मौके से हटना पड़ा और संदिग्ध छत से कूदकर भाग निकले। वन विभाग ने प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। फरार संदिग्धों की तलाश जारी है। कार्रवाई के लिए बाड़ी, बम्होरी, विनेका, सुल्तानपुर और चिलवाहा वन परिक्षेत्रों का अमला एक साथ पहुंचा था। वन विभाग के अनुसार जब्त लकड़ी और वाहन को परिक्षेत्र कार्यालय बाड़ी लाया गया है तथा वन अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।

हमले से मची अफरा-तफरी

सिंधी कैंप में तलाशी के दौरान जब वन एवं पुलिस अमले ने अवैध सागौन बरामद कर जप्ती की कार्रवाई शुरू की, तभी मौके पर मौजूद संदिग्धों ने टीम पर पथराव कर दिया। अचानक हुए हमले से कुछ देर के लिए अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। इसी दौरान संदिग्ध मकान की छत पर पहुंचे और वहां से छलांग लगाकर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद वन विभाग और पुलिस ने फरार संदिग्धों की तलाश शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार शासकीय कार्य में बाधा और अमले पर हमला करने के मामले में भी नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

पंचायत की एनओसी और विभागीय अनुमति पर मांगा जवाब

बांधवगढ़ की सीमा पर रिसॉर्ट्स का विस्तार ईको-सेंसिटिव जोन के नियमों पर उठे सवाल

उमरिया। दोपहर मेट्रो

विश्व प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व की सीमा से लगे क्षेत्रों में होटल, रिसॉर्ट और व्यावसायिक निर्माण को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों और पर्यावरण से जुड़े लोगों का आरोप है कि ईको-सेंसिटिव जोन में नियमों की अनदेखी कर करीब 50 व्यावसायिक ढांचे खड़े किए जा रहे हैं। बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान एवं पनपथा वन्यजीव अभयारण्य के लिए जारी अंतिम ईको-सेंसिटिव जोन अधिसूचना में टाइगर रिजर्व की सीमा से एक किलोमीटर के भीतर नए होटल और रिसॉर्ट के निर्माण की अनुमति नहीं होने का प्रावधान है।

आरोप है कि कुछ निर्माणों के लिए ग्राम पंचायत स्तर से जारी प्रमाण पत्र और एनओसी का सहारा लिया गया, जबकि संबंधित वैधानिक अनुमतियों को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। लोगों का कहना है कि यदि निर्माण नियमों के अनुरूप हैं तो वन, राजस्व और संबंधित विभागों को उनकी अनुमति, स्वीकृति और दस्तावेज सार्वजनिक करने चाहिए। मामले को लेकर वन और राजस्व विभाग की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों और पर्यावरणविदों ने पूरे क्षेत्र में चल रहे निर्माण की निष्पक्ष जांच तथा नियमों के उल्लंघन की स्थिति में कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि पर्यटन गतिविधियां भी ईको-सेंसिटिव जोन की अधिसूचना और निर्धारित मास्टर प्लान के अनुरूप होनी चाहिए। अब नजर प्रशासन और पार्क प्रबंधन की कार्रवाई पर है कि निर्माणों की वैधानिकता की जांच कर स्थिति स्पष्ट की जाती है या नहीं।

एक किमी दायरे में नए होटल-रिसॉर्ट पर रोक

बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान एवं पनपथा वन्यजीव अभयारण्य के ईको-सेंसिटिव जोन की अंतिम अधिसूचना में पर्यटन गतिविधियों को निर्धारित नियमों के अनुसार संचालित करने का प्रावधान है। अधिसूचना के अनुसार टाइगर रिजर्व की सीमा से एक किलोमीटर के भीतर नए होटल और रिसॉर्ट का निर्माण नहीं किया जा सकता, हालांकि पर्यावरण-अनुकूल पर्यटन से जुड़ी अस्थायी पर्यटक सुविधाओं के लिए अपवाद का प्रावधान है। एक किलोमीटर से आगे ईको-सेंसिटिव जोन की सीमा तक नए होटल-रिसॉर्ट का निर्माण जोनल मास्टर प्लान के अनुरूप ही किया जा सकता है। अधिसूचना में पर्यटन गतिविधियों को केंद्रीय दिशा-निर्देशों और राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण की गाइडलाइन के अनुरूप रखने की बात भी कही गई है।

स्थानीय लोगों ने मांगे अनुमति के दस्तावेज : स्थानीय लोगों का आरोप है कि पार्क सीमा से लगे क्षेत्र में कुछ व्यावसायिक निर्माण ग्राम पंचायत स्तर से जारी प्रमाण पत्र या एनओसी के आधार पर आगे बढ़े। इसे लेकर अब संबंधित निर्माणों की वैधानिक स्थिति स्पष्ट करने की मांग उठ रही है। लोगों का कहना है कि यदि सभी निर्माण नियमों के तहत स्वीकृत हैं तो संबंधित विभाग अनुमति, पर्यावरणीय स्वीकृति और अन्य जरूरी दस्तावेज सार्वजनिक करें। वहीं, यदि नियमों का उल्लंघन सामने आता है तो जिम्मेदारों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

पर्यटन गतिविधियों के लिए भी तय हैं नियम

बांधवगढ़ क्षेत्र में पर्यटन और व्यावसायिक गतिविधियों को लेकर ईको-सेंसिटिव जोन की अधिसूचना में स्पष्ट प्रावधान किए गए हैं। इसके अनुसार नए पर्यटन कार्य और मौजूदा गतिविधियों का विस्तार निर्धारित पर्यटन एवं जोनल मास्टर प्लान तथा केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय और राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के दिशा-निर्देशों के अनुरूप होना चाहिए। अधिसूचना में पर्यावरण-अनुकूल पर्यटन, पर्यावरण शिक्षा और संरक्षण पर जोर दिया गया है। ऐसे में पार्क की सीमा से लगे क्षेत्रों में तेजी से हो रहे व्यावसायिक निर्माण को लेकर उठे सवालों के बीच संबंधित विभागों से दस्तावेज और स्वीकृतियों की स्थिति स्पष्ट करने की मांग की जा रही है। अब प्रशासनिक जांच से ही यह स्पष्ट होगा कि संबंधित निर्माण नियमों के अनुरूप हैं या नहीं।

कार्ड स्वाइप, ऑनलाइन भुगतान में भी गड़बड़ी

पंप मैनेजर ने डिजिटल पेमेंट में किया खेल, 5 लाख की हेराफेरी के बाद रजिस्टर-चाबी लेकर फरार

धार। दोपहर मेट्रो

सादलपुर थाना क्षेत्र के भारत पेट्रोलियम के वंदना फ्यूल स्टेशन पर छह साल से काम कर रहे मैनेजर पर करीब 5 लाख रुपए की हेराफेरी का आरोप लगा है। पंप संचालक की शिकायत पर पुलिस ने मैनेजर ओमप्रकाश चौहान, निवासी भोपावली नागदा के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 316(2) के तहत अमानत में खयानत का प्रकरण दर्ज किया है। आरोपी पंप के जरूरी रजिस्टर और लॉकर की चाबियां लेकर फरार बताया गया है।

पंप संचालक प्रतीक राय (67), निवासी खेरोद के अनुसार जन्माष्टमी के दौरान लगातार बैंक अवकाश का आरोपी ने फायदा उठाया। 1 से 4 सितंबर के बीच पंप के काउंटर से प्राप्त करीब 2.40 लाख रुपए की नकदी बैंक में जमा नहीं कराई गई। इसके अलावा पिछले 15 से 20 दिनों के दौरान कार्ड स्वाइप और अन्य डिजिटल माध्यमों से हुए भुगतान के हिसाब में करीब 2.61 लाख रुपए की हेराफेरी सामने आई। इस तरह कुल करीब 5.01 लाख रुपए की राशि में गड़बड़ी का आरोप है।

संचालक को मामले की जानकारी होने तक आरोपी पंप के रजिस्टर और लॉकर की चाबियां लेकर निकल चुका था। पुलिस के अनुसार बीपीसीएल के ऑटोमेशन सिस्टम से डिजिटल लेनदेन और अन्य रिकॉर्ड की विस्तृत जानकारी जुटाने में समय लगा, जिसके कारण प्रकरण दर्ज करने में देरी हुई। थाना प्रभारी प्रवीण ठाकरे ने बताया कि 17 सितंबर को दोपहर 12:05 बजे मामला दर्ज किया गया।

न्यूज विंडो

वॉलीबॉल मैदान में जला 'आशीर्वाद का दीप', खिलाड़ियों ने लिया संकल्प

नरसिंहपुर। सेवा से संकल्प अभियान के तहत वॉलीबॉल स्टेडियम ग्राउंड में विशेष आयोजन किया गया। मध्यप्रदेश वॉलीबॉल संघ के जनरल सेक्रेटरी मनीष कटारे की उपस्थिति में बालक-बालिका वर्ग के वॉलीबॉल खिलाड़ियों और खेल-व्यायाम शिक्षकों ने मैदान पर 'आशीर्वाद का दीप' प्रज्वलित किया। दीप प्रज्वलन के साथ सभी ने सेवा, अनुशासन, समर्पण और सकारात्मक सोच को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। आयोजन का उद्देश्य युवाओं को खेल गतिविधियों के साथ सामाजिक सरोकारों और सेवा कार्यों से जोड़ना रहा। खिलाड़ियों ने खेल भावना को जीवन का हिस्सा बनाते हुए समाजहित में योगदान देने का संदेश दिया। इस अवसर पर खेल प्रशिक्षकों और खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। आयोजन ने खेल मैदान को सेवा, संकल्प और सकारात्मक ऊर्जा के संदेश से रोशन कर दिया।

शाहे-जीशान का 81वां सालाना उर्स 23 से 25 सितंबर तक

नरसिंहपुर। गौसाबाद करबला शरीफ, नरसिंहपुर में हजरत सैयदना शेख अब्दुल कादिर जिलानी बगदादी (रह.) की याद में शाहे-जीशान का 81वां सालाना उर्स मुबारक 23, 24 एवं 25 सितंबर 2026 को अकीदत और श्रद्धा के साथ आयोजित किया जाएगा। उर्स को लेकर आयोजकों द्वारा तैयारियां पूरी की जा रही हैं। उर्स के प्रथम दिन बुधवार, 23 सितंबर को सुबह कुरआन ख्वानी एवं परचम कुशाई का आयोजन होगा। इसके बाद शाम 7 बजे नया बाजार, नरसिंहपुर से शाही संदल एवं चादर शरीफ निकाली जाएगी, जो गौसाबाद करबला शरीफ पहुंचकर पेश की जाएगी।गुरुवार, 24 सितंबर को रात 10 बजे से गौसाबाद करबला शरीफ में कव्वालियों का आयोजन होगा। इस अवसर पर लंगर की फातहा भी होगी। उर्स में देश के विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले जायरीन एवं अकीदतमंद शामिल होंगे। उक्ताशय की जानकारी कमेटी अध्यक्ष सगीर उस्मानी ने देते हुए बताया कि उर्स के अंतिम दिन शुक्रवार, 25 सितंबर को सुबह 8 बजे से कुल शरीफ, महफिल-ए-रंग एवं दुआ-ए-खैर का आयोजन किया जाएगा।

20 ली. शराब, 220 किलो महुआ लहान जब्त

अवैध शराब के खिलाफ आबकारी विभाग की कार्रवाई, 6 प्रकरण दर्ज

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

जिले में अवैध मदिरा के विक्रय और निर्माण के खिलाफ आबकारी विभाग ने कार्रवाई करते हुए 6 प्रकरण दर्ज किए हैं। कार्रवाई के दौरान 20 लीटर कच्ची हाथ भट्टी मदिरा और 220 किलो महुआ लहान जब्त किया गया। जब्त सामग्री की अनुमानित कीमत 26 हजार 900 रुपए बताई गई है।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश और जिला आबकारी अधिकारी डॉ. राजीव प्रसाद द्विवेदी के मार्गदर्शन में गुरुवार को जिले के विभिन्न क्षेत्रों में सघन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत अवैध मदिरा से संबंधित 6 प्रकरण कायम किए गए।

इसके अलावा जिले की शासकीय मदिरा दुकानों का भी निरीक्षण किया गया। नियमानुसार संचालन नहीं पाए जाने पर 9 विभागीय प्रकरण दर्ज किए गए हैं।

कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी, आबकारी उपनिरीक्षक, मुख्य आरक्षक और आरक्षकों सहित विभागीय अमले की भूमिका रही। जिला आबकारी अधिकारी डॉ. राजीव प्रसाद द्विवेदी ने बताया कि जिले में अवैध मदिरा के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

विधायक ग्रेवाल की अनूठी पहल, छात्रों से पूछे सवाल

छात्र का संघर्ष रोजगार पर होता है खत्म सरकार रोजगार देने में विफल : ग्रेवाल

धार। दोपहर मेट्रो

इंदौर में 19 सितंबर को प्रस्तावित छात्रों की गूंज कार्यक्रम को लेकर शहर के निजी गार्डन में शुक्रवार को छात्रों की गूंज का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मकसद छात्रों की समस्याएं सुनकर उनका हल निकलवाना था। कार्यक्रम में विधायक प्रताप ग्रेवाल की मौजूदगी में छात्रों से सीधा संवाद किया गया। साथ ही इंदौर में प्रस्तावित 19 सितंबर को होने वाले कार्यक्रम की भी जानकारी छात्रों को दी गई और कार्यक्रम में शामिल होकर राहुल गांधी के हाथ मजबूत करने का आग्रह किया।

कार्यक्रम में कांग्रेस जिलाध्यक्ष स्वतंत्र जोशी, प्रदेश सचिव हरदेवसिंह जाट, पूर्व जिलाध्यक्ष धीरज दीक्षित, सतपाल बरनाला, शहर कांग्रेस अध्यक्ष राजेश पटेल मंचासीन थे। कार्यक्रम में सरदारपुर विधायक प्रताप ग्रेवाल ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि विधायक ग्रेवाल ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि छात्रों का संघर्ष स्कूल शिक्षा से शुरू होता है और पढ़ाई पूरे करने तक भी खत्म नहीं होता है। जब छात्र की पढ़ाई पूरी होती है तो उसे रोजगार के लिए संघर्ष करना पढ़ता है। लेकिन सरकार युवाओं को रोजगार देने में विफल रही है। जब रोजगार पाने छात्र और युवा सरकारी भर्ती परीक्षाओं में शामिल होते है तो पेपर लीक हो जाते है। ग्रेवाल ने कहा प्रदेश में अब तक 33 परीक्षाएं निरस्त करना पड़ी है।

छूटे हितग्राहियों तक पहुंचेगी सरकार, 2 से 10 अक्टूबर तक लगेंगे सेवा सेतु शिविर

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

सरकारी योजनाओं का लाभ पाने से छूट गए पात्र लोगों को चिन्हित कर उन्हें योजनाओं से जोड़ने के लिए 2 से 10 अक्टूबर तक विकासखंड और नगरीय निकाय स्तर पर सेवा सेतु–सरकार आपके द्वार विशेष शिविर लगाए जाएंगे।

सेवा संकल्प अभियान के प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंह यादव ने शुक्रवार को जिला भाजपा कार्यालय में नर्मदापुरम संभागीय टोली की बैठक में यह जानकारी दी। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी अमित महाला ने दी है। उन्होंने बताया कि यादव ने कहा कि शिविरों में शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से वंचित पात्र हितग्राहियों का पंजीयन किया जाएगा और उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।

उन्होंने अभियान के जरिए योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए कार्यकर्ताओं को सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

बैठक में सेवा संकल्प अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन, विशेष शिविरों के संचालन, अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों तक पहुंच और जनसमस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर चर्चा हुई। प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ. अखिलेश खंडेलवाल ने अभियान को जनसेवा का महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए कार्यकर्ताओं से सक्रिय सहभागिता की अपील की। बैठक में संभागीय प्रभारी संदेश पुरोहित, जिला महामंत्री कुंवर सिंह यादव, मुकेश चंद्र मैना, बैतूल जिला उपाध्यक्ष कांतिलाल यादव, पिछड़ा मोर्चा जिला अध्यक्ष प्रशांत गावड़े, जनपद अध्यक्ष भैयालाल इरपाचे, जिला मंत्री प्रांशु राणे आदि मौजूद थे।

हवाई फायरिंग का वीडियो वायरल पिस्टल सहित आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर। माढ़ोताल थाना क्षेत्र में हवाई फायरिंग का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए घटना में प्रयुक्त पिस्टल बरामद कर ली है। मामले में पूर्व में गिरफ्तार सत्यम होम्स निवासी रितिक जायसवाल और कचनार सिटी निवासी प्रथम सिंह राजपूत से पूछताछ में पिस्टल हनुमानताल निवासी मामू खान के पास होने की जानकारी सामने आई थी। इसके बाद से पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी।

पार्किंग की जगह पर बिल्डर ने 18 दुकान तानी, नगर निगम ने चलाया बुलडोजर

ग्वालियर। शहर के वार्ड क्रमांक 21 के अंतर्गत न्यू बैंक कॉलोनी में नगर निगम से नक्शे में पार्किंग की अनुमति लेकर बिल्डर ने 18 दुकानें तैयार कर दीं। मामले की जानकारी लगने पर नगर निगम की भवन शाखा व निगम अमले ने इन दुकानों को तोड़ने की कार्रवाई की है। इस बीच प्रशासन को पुलिस बल की भी मदद लेना पड़ी।

मेट्रो एंकर

अधिकारी बोले- केंद्र से फिटनेस सेंटर आवंटित होते ही फिर शुरू होगी प्रक्रिया

फिटनेस बंद होने से कमर्शियल वाहन मालिक परेशान, एसोसिएशन ने उठाई आवाज

नर्मदापुर। दोपहर मेट्रो

जिले में कमर्शियल वाहनों का फिटनेस कार्य लंबे समय से बंद होने के कारण वाहन मालिकों की परेशानी बढ़ गई है। ट्रक ऑनर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने इस समस्या को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष शिवाकांत 'गुड्डन' पांडेय से शिकायत की। वाहन मालिकों की समस्या सुनने के बाद शनिवार को पांडेय जिला परिवहन कार्यालय पहुंचे और जिला परिवहन अधिकारी से फिटनेस व्यवस्था दोबारा शुरू कराने को लेकर चर्चा की।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष ने बताया कि जिला कांग्रेस परिवहन प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों के साथ परिवहन अधिकारी से मुलाकात की गई। इस दौरान कमर्शियल वाहनों के फिटनेस कार्य में आ रही दिक्कतों और वाहन मालिकों की परेशानियों पर चर्चा हुई। अधिकारी ने बताया कि जिले में कमर्शियल वाहनों के फिटनेस सेंटर का आवंटन केंद्र स्तर से किया जाना है। इसी प्रक्रिया के चलते फिलहाल वाहनों का फिटनेस कार्य बंद है। अधिकारी के अनुसार केंद्र स्तर से फिटनेस सेंटर आवंटन का आदेश प्राप्त होते ही जिले में कमर्शियल वाहनों के फिटनेस की प्रक्रिया दोबारा शुरू कर दी जाएगी। इसके बाद वाहन मालिकों को अपने वाहनों का फिटनेस कराने की सुविधा मिल सकेगी।

पांडेय ने कहा कि लंबे समय से फिटनेस व्यवस्था बंद रहने से ट्रक और अन्य कमर्शियल वाहन संचालकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने वाहन मालिकों की समस्या को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों से भी इस संबंध में चर्चा करने की बात कही। उनका कहना है कि प्रक्रिया जल्द शुरू होने से वाहन मालिकों को राहत मिलेगी।

मुलाकात के दौरान जिला कांग्रेस परिवहन प्रकोष्ठ अध्यक्ष अजय मिश्रा, जिला कांग्रेस कमेटी कोषाध्यक्ष अतुल तिवारी, युवा उद्योगपति वेदांत पांडेय सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, सेक्टर-H, राजहर्ष कॉलोनी, कोलार रोड़ भोपाल म.प्र. 462042

फोन न.:-0755-2551837, e-mail:hegbsccbho@mp.gov.in, www.mp.gov.in/highereducation/benazircollege

क्रमांक [illegible]/पुस्तकालय/2026-27 भोपाल दिनांक 1[illegible]/9/2026

निविदा

महाविद्यालय पुस्तकालय हेतु वर्ष 2026-27 में विभिन्न शासकीय / रूसा/अशासकीय योजनान्तर्गत पुस्तकें एवं स्टेशनरी क्रय हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा का प्रारूप/ शर्तें/ सामग्री की जानकारी उच्चशिक्षा विभाग की वेबसाइड में प्रकाशित किया गया है। निविदा विज्ञप्ति समाचार पत्र में प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर सील बन्द लिफाफे में कार्यालयीन समय में स्वीकार किया जावेगा।

ग्रंथपाल
LIBRARIAN
Covt, Dr. Shyama Prasad Mukharji Science & Commerce P.G. College BHOPAL

जी-18776/26

प्राचार्य
शास. डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय कोलार रोड, भोपाल

5 ओवर में सिर्फ 37 रन

127 रन की महाजीत में छिपी टीम इंडिया की बड़ी कमजोरी

अभिषेक-संजू के धमाके को मिडिल ऑर्डर ने किया बर्बाद

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम ने अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप कर अपना दबदबा कायम किया। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में 17 सितंबर को खेले गए तीसरे और आखिरी मुकाबले में भारत ने 127 रन की शानदार जीत दर्ज की। अभिषेक शर्मा की 34 गेंदों पर 108 रन की विस्फोटक पारी और संजू सैमसन के 35 गेंदों पर 50 रन की बदौलत भारत ने 20 ओवर में 221/7 का स्कोर खड़ा किया। जवाब में अफगानिस्तान की पूरी टीम 14.1 ओवर में 94 रन पर सिमट गई। हालांकि, इस बड़ी जीत के बीच भारतीय बल्लेबाजी क्रम की एक कमजोरी भी सामने आई, जिसे आगामी मुकाबलों से पहले दूर करना जरूरी होगा।

भारतीय टीम ने तीसरे टी20 में जबरदस्त शुरुआत की। अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन ने अफगानी गेंदबाजों की जमकर खबर ली। 9.5 ओवर में भारत का स्कोर 142 रन तक पहुंच गया था। इस समय टीम की बल्लेबाजी जिस रफ्तार से आगे बढ़ रही थी, उससे बड़ा स्कोर बनने की उम्मीदें बढ़ गई थीं। लेकिन अभिषेक शर्मा के आउट होते ही भारतीय पारी की गति कमजोर पड़ गई। अजमतुल्लाह उमरजई की गेंद पर राशिद खान ने उनका कैच पकड़ा। इसके बाद भारतीय बल्लेबाज लगातार विकेट गंवाते गए और रन बनाने की रफ्तार भी धीमी होती चली गई। भारत ने आखिरी पांच ओवर में केवल 37 रन बनाए। 15 ओवर के बाद टीम का स्कोर 184/3 था, लेकिन शेष पांच ओवर में टीम सिर्फ 37 रन जोड़ सकी। इस प्रदर्शन ने मध्यक्रम और निचले मध्यक्रम की भूमिका पर सवाल खड़े कर दिए।

अभिषेक और संजू ने लगाई आग, फिर बिखरा मध्यक्रम

अभिषेक शर्मा ने अपनी पारी में आक्रामक बल्लेबाजी का शानदार प्रदर्शन किया। उनकी तूफानी शतकीय पारी ने भारत को बड़े स्कोर की दिशा में पहुंचाया। संजू सैमसन ने भी अर्धशतक लगाकर उनका बेहतरीन साथ दिया। हालांकि, अभिषेक के आउट होने के बाद भारतीय बल्लेबाजी में लगातार गिरावट देखने को मिली। तीसरे नंबर पर आए तिलक वर्मा सिर्फ 2 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद संजू सैमसन 50 रन बनाकर आउट हुए और भारत का स्कोर 164/3 हो गया। सीरीज में अपना पहला मुकाबला खेल रहे शिवम दुबे 14 रन बनाकर आउट हुए। उनके विकेट के बाद 15.3 ओवर में भारत का स्कोर 186/4 था। ईशान किशन 10 रन बनाकर रन आउट हुए, जबकि नीतीश कुमार रेड्डी केवल 1 रन बना सके। कप्तान श्रेयस अय्यर भी रन आउट हुए और उन्होंने 20 गेंदों पर 29 रन बनाए।

कप्तान और कोच के बयान ने बढ़ाई उम्मीदें

सीरीज जीतने के बाद भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने अभिषेक शर्मा की बल्लेबाजी की सराहना की। उन्होंने कहा कि अभिषेक की पारी की बदौलत टीम 220 रन के करीब पहुंच सकी, जो शानदार प्रदर्शन रहा। वहीं, मुख्य कोच गौतम गंभीर ने अभिषेक के शतक से अधिक पावरप्ले में टीम के 100 रन पूरे करने को महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। यह उनके कोचिंग कार्यकाल में पहली बार हुआ कि भारत ने टी20 मुकाबले के पावरप्ले में 100 रन बनाए। गंभीर ने टीम की आक्रामक बल्लेबाजी की सोच को आगे बढ़ाने की बात कही और 300 रन के लक्ष्य की ओर बढ़ने का संकेत दिया। इन बयानों से स्पष्ट है कि भारतीय टीम अपनी बल्लेबाजी को और अधिक आक्रामक बनाना चाहती है। लेकिन इसके लिए शुरुआती विस्फोटक बल्लेबाजी के बाद मध्यक्रम को भी उसी निरंतरता के साथ रन बनाने होंगे।

300 रन का मौका हाथ से निकला | भारतीय टीम का टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे बड़ा स्कोर 297/6 है, जो उसने 12 अक्टूबर 2024 को हैदराबाद में बांग्लादेश के खिलाफ बनाया था। अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे मुकाबले में भारत की शुरुआत को देखते हुए एक समय ऐसा लग रहा था कि टीम अपने इस रिकॉर्ड को पार कर सकती है। 9.5 ओवर में 142 रन और 15 ओवर में 184 रन का स्कोर इस संभावना को मजबूत करता था। लेकिन अंतिम पांच ओवरों में रन गति कम होने से भारत 221 रन तक ही पहुंच सका। मध्यक्रम के बल्लेबाजों के जल्दी आउट होने और रन बनाने की गति में गिरावट ने बड़े स्कोर की संभावनाओं को सीमित कर दिया।

एशियन गेम्स से पहले सुधार की जरूरत | अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज में भारत ने 3-0 से जीत हासिल की है, लेकिन तीसरे मैच का बल्लेबाजी प्रदर्शन टीम प्रबंधन के लिए विचार का विषय बन सकता है। टी20 क्रिकेट में शुरुआती बल्लेबाजों की तेज शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने के लिए मध्यक्रम और फिनिशरों का योगदान महत्वपूर्ण होता है। आगामी एशियन गेम्स और अन्य टी20 सीरीज में भारतीय टीम को मजबूत विपक्षी टीमों का सामना करना पड़ सकता है।

चयन की चौसर पर सवाल दोहरे मापदंड का

भारतीय क्रिकेट में अगले एक महीने की तस्वीर अब लगभग साफ है।बीसीसीआई की पुरुष चयन समिति ने बुधवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे और टी-20 सीरीज के साथ एशिया कप के लिए टीम इंडिया और ईरानी ट्रॉफी के लिए शेष भारत की टीम का ऐलान कर दिया। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ खेलने वाली इंडिया-ए टीम भी तय हो चुकी थी। यानी भारतीय क्रिकेट के करीब-करीब सभी प्रमुख खिलाड़ियों को किसी न किसी टीम में समायोजित कर दिया गया है।पहली नजर में यह चयन संतुलित दिखाई देता है। युवा और अनुभव, दोनों को ही जगह मिली है। लेकिन चयन की इस प्रक्रिया को थोड़ा गहराई से देखने पर कुछ सवाल ऐसे हैं, जिनका जवाब फिलहाल नहीं है।चयनकर्ताओं के लिए मौजूदा फॉर्म, अंतरराष्ट्रीय अनुभव और फिटनेस हमेशा महत्वपूर्ण कसौटियां रही हैं। सवाल सिर्फ इतना है कि क्या इन कसौटियों का नजरिया सभी खिलाड़ियों पर एक समान तरीके से किया जा रहा है?करीब 70 खिलाड़ियों के चयन में सबसे बड़ा सवाल यही है।

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

एक ओर रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को टीम में जगह देकर यह संदेश दिया गया है कि अनुभव की अहमियत फिलहाल खत्म नहीं हुई है। दूसरी ओर मोहम्मद शमी, भुवनेश्वर कुमार और चहल जैसे अंतरराष्ट्रीय अनुभव वाले खिलाड़ियों को किसी भी टीम में जगह नहीं मिली। यही विरोधाभास चयन प्रक्रिया को सवालों के घेरे में खड़ा करता है।खासतौर पर शमी, भुवनेश्वर और चहल के मामले में यह समझना कठिन है कि चयनकर्ताओं की भविष्य की योजना आखिर क्या है। अलग-अलग फॉर्मेट में अपनी उपयोगिता साबित कर चुके इन खिलाड़ियों को पूरी तरह नजरअंदाज करने का आधार क्या है,यह कतई साफ नहीं है।वैसे भी जब टीम इंडिया को आगे चलकर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की चुनौती और न्यूजीलैंड के ऑल-फॉर्मेट दौरे जैसी कठिन परीक्षाओं से गुजरना है,तो फिर अंतरराष्ट्रीय अनुभव और मौजूदा क्षमता के बीच संतुलन का सवाल और महत्वपूर्ण हो जाता है।इसी कड़ी में ऋषभ पंत और हार्दिक पंड्या का चयन भी विशेष चर्चा का विषय है।दोनों ही टीम इंडिया की रणनीति में अहम खिलाड़ी रहे हैं और उनका चयन बताता है कि टीम प्रबंधन मैच जिताने वाली क्षमता और बड़े मुकाबलों के अनुभव को अभी भी महत्व दे रहा है। लेकिन इनके चयन को भी उसी कसौटी पर परखना होगा जिस पर दूसरे खिलाड़ियों को परखा जाता है।

खासकर फिटनेस, उपलब्धता और लगातार प्रदर्शन के संदर्भ में चयनकर्ताओं की नीति कितनी स्पष्ट और समान है, यह आने वाले मुकाबले बताएंगे।अजित आगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति ने फिलहाल एक ऐसा व्यापक ढांचा तैयार किया है जिसमें लगभग हर प्रमुख खिलाड़ी को किसी न किसी स्तर पर अपनी उपयोगिता साबित करने का अवसर मिल रहा है। यह अच्छी बात है। लेकिन बड़ी टीम बनाने और सही टीम बनाने के बीच फर्क होता है।2027 के वनडे विश्व कप से पहले भारतीय क्रिकेट को एक लंबी तैयारी करनी है। उससे भी पहले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल की राह और फिर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज जैसी कठिन चुनौतियां सामने हैं। वेस्टइंडीज और एशिया कप अगले 30 दिनों में चयनकर्ताओं के प्रयोगों की शुरुआती तस्वीर जरूर दिखाएंगे, लेकिन असली परीक्षा उसके बाद होगी।ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज और फिर न्यूजीलैंड दौरा ही बताएगा कि चयनकर्ताओं का यह जंबो प्रयोग कितनी दूर तक सफल होता है।फिर भी अभी सबसे बड़ा सवाल यही है कि चयन में अनुभव, फॉर्म और फिटनेस की कसौटी क्या सचमुच सभी के लिए एक समान है?

2028 के आसपास होगा फैसला

2038 एशियन गेम्स में छह देशों ने दिखाई दिलचस्पी, मेजबानी पर भारत की भी नजर

नई दिल्ली , एजेंसी

भारत में बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी को लेकर तैयारियां लगातार आगे बढ़ रही हैं। इसी कड़ी में देश ने 2038 एशियन गेम्स की मेजबानी के लिए अपनी दावेदारी पेश की है। हालांकि, भारत को मेजबानी मिलने या न मिलने के अंतिम निर्णय के लिए अभी कुछ वर्ष इंतजार करना होगा। ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया ने पुष्टि की है कि भारत समेत कुल छह देशों ने 2038 एशियन गेम्स की मेजबानी में रुचि दिखाई है। मेजबान देश का चयन वर्ष 2028 के आसपास होने की उम्मीद है।

भारत ने इसी वर्ष अप्रैल में 2038 एशियन गेम्स की मेजबानी के लिए रुचि पत्र जमा किया था। यह कदम देश की बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी की व्यापक योजना का हिस्सा माना जा रहा है। 2026 एशियन गेम्स की शुरुआत से पहले आयोजित संवाददाता सम्मेलन में ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया के महानिदेशक हुसैन अल-मुसल्लम ने मेजबानी प्रक्रिया को लेकर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारत, फिलीपींस और चार अन्य देशों ने 2038 एशियन गेम्स की मेजबानी में रुचि दिखाई है। उन्होंने कहा कि अभी आयोजन में करीब 12 वर्ष का समय बाकी है। अगले वर्ष एक मूल्यांकन समिति बनाई जाएगी, जो दावेदारी पेश करने वाले देशों का दौरा कर उनकी तैयारियों और क्षमताओं का आकलन करेगी।

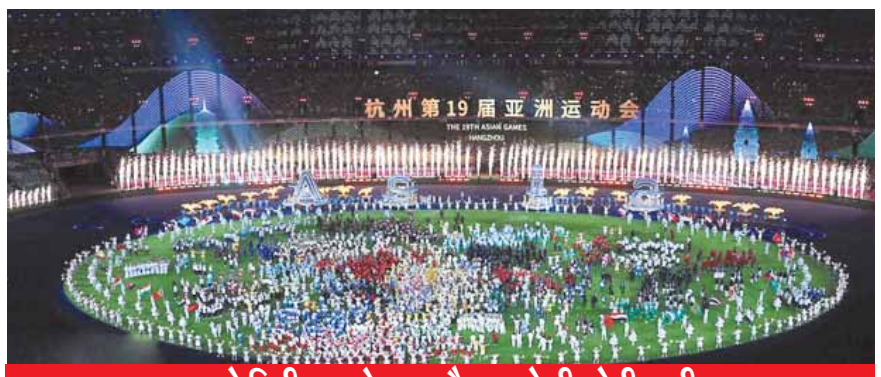

पहले निरीक्षण के बाद तैयार होगी छोटी सूची

मेजबानी की प्रक्रिया एक ही चरण में पूरी नहीं होगी। पहले दौर में मूल्यांकन समिति सभी इच्छुक देशों का दौरा करेगी। इसके बाद निरीक्षण के आधार पर दावेदार देशों की छोटी सूची तैयार की जाएगी। इसके बाद अंतिम चयन से करीब नौ या दस वर्ष पहले दोबारा संबंधित देशों का दौरा किया जाएगा। दूसरे चरण में बुनियादी ढांचे, आयोजन स्थलों, परिवहन व्यवस्था और अन्य तैयारियों को विस्तार से देखा जाएगा। इसके बाद मेजबान देश की सिफारिश करते हुए अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी। इस पूरी प्रक्रिया को देखते हुए भारत को अपनी दावेदारी के परिणाम के लिए कम से कम 2028 तक इंतजार करना पड़ सकता है।

भारत के साथ फिलीपींस और अन्य देश भी दौड़ में

ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया के अनुसार भारत और फिलीपींस समेत छह देशों ने 2038 एशियन गेम्स की मेजबानी में रुचि दिखाई है। दक्षिण कोरिया पहले ही वर्ष 2021 में इस आयोजन की मेजबानी की इच्छा जता चुका है। वहां ग्वांगजू और डेगू को संभावित आयोजन स्थलों के रूप में सामने रखा गया था। मंगोलिया के भी मेजबानी में रुचि दिखाने की जानकारी सामने आई है। हालांकि, सभी छह देशों के नाम आधिकारिक तौर पर सार्वजनिक नहीं किए गए हैं।

दो बार एशियन गेम्स की मेजबानी कर चुका है भारत | भारत को एशियन गेम्स की मेजबानी का पुराना अनुभव है। देश ने पहली बार 1951 में नई दिल्ली में एशियन गेम्स का आयोजन किया था। इसके बाद वर्ष 1982 में भी नई दिल्ली ने इस महाद्वीपीय खेल आयोजन की मेजबानी की। अब 2038 की दावेदारी भारत के बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी की योजना को आगे बढ़ाती है। भारत 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए भी अपनी इच्छा जता चुका है, जबकि 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी अहमदाबाद में प्रस्तावित है।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

मालदीव में आरुषि का ग्लैमरस बर्थडे सेलिब्रेशन पूल में फ्लोटिंग ब्रेकफास्ट का उठाया लुत्फ

मुंबई। अभिनेत्री और निर्माता आरुषि निशंक ने इस बार अपना जन्मदिन बेहद खास अंदाज में मनाया। उन्होंने खूबसूरत समुद्री नजारों के बीच मालदीव में अपना जन्मदिन सेलिब्रेट किया। छुट्टियों के दौरान आरुषि ने समुद्र किनारे सुकून भरे पल बिताए और अपने प्रशंसकों के साथ जन्मदिन की कुछ खास तस्वीरें भी साझा कीं।

आरुषि निशंक ने सामाजिक माध्यम पर अपनी कई तस्वीरें साझा की हैं, जिनमें वह पूल में आराम करती नजर आ रही हैं। तस्वीरों में वह गुलाबी रंग की मोनोकनी पहने दिखाई दीं। पूल में फ्लोटिंग ब्रेकफास्ट का आनंद लेते हुए आरुषि ने कैमरे के सामने कई खूबसूरत अंदाज में तस्वीरें खिंचवाईं। हाथ में जन्मदिन का केक लिए उनकी तस्वीर भी प्रशंसकों का ध्यान खींच रही है। उनके चेहरे पर जन्मदिन की खुशी साफ नजर आ रही है।

आरुषि ने अपने जन्मदिन के लिए सादगी और ग्लैमर का खास मेल दिखाया। चमकदार श्रृंगार और आकर्षक अंदाज में उनकी तस्वीरें सामने आते ही सामाजिक माध्यम पर चर्चा का विषय बन गईं। प्रशंसकों ने उनके रूप और आत्मविश्वास की तारीफ करते हुए जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। मनोरंजन जगत से जुड़े लोगों ने भी उन्हें विशेष दिन पर बधाई संदेश भेजे।

अपने जन्मदिन पर मिले शुभकामना संदेशों के लिए आरुषि ने सभी का आभार जताया। उन्होंने तस्वीरों के साथ लिखा कि हां, उनका जन्मदिन है और सभी के प्यार के लिए वह शुक्रगुजार हैं। उनकी तस्वीरों और संदेश पर प्रशंसकों की प्रतिक्रियाएं लगातार देखने को मिलीं। कई लोगों ने उनके छुट्टियों के अंदाज और जन्मदिन के जश्न की तारीफ की।

अभिनय के साथ निर्माण में भी सक्रिय

आरुषि निशंक सिर्फ अभिनेत्री ही नहीं, बल्कि निर्माता, नृत्यांगना और सामाजिक कार्यकर्ता के तौर पर भी सक्रिय हैं। वह उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक की बेटी हैं। मनोरंजन जगत में आरुषि ने कई संगीत वीडियो में काम किया है। हालांकि, जुबिन नौटियाल के चर्चित गीत 'वफा ना रास आई' से उन्हें विशेष पहचान मिली। आरुषि निशंक अपनी निर्माण कंपनी हिमश्री फिल्म्स के माध्यम से भी मनोरंजन जगत में सक्रिय हैं। उन्होंने 'लाइफ हिल गई' जैसी श्रृंखला और फिल्म 'मेजर निराला' के निर्माण से भी जुड़कर काम किया है।

शबाना आजमी के 75वें जन्मदिन पर भावुक हुईं दिव्या दत्ता, बोलीं- 'आप जिंदगी का सबसे चमकीला रंग हैं'

मुंबई। हिंदी सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री शबाना आजमी के पर अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने अपनी पुरानी दोस्त और सह-अभिनेत्री के लिए सोशल मीडिया पर एक भावुक संदेश साझा किया। उन्होंने शबाना आजमी की जिंदगी को लेकर उनके उत्साह, अभिनय के प्रति जुनून और हर पल को पूरी शिद्दत से जीने के अंदाज की जमकर तारीफ की। दिव्या दत्ता ने शबाना आजमी के साथ अपनी कुछ यादों को समेटते हुए एक वीडियो साझा किया। इसमें दोनों अभिनेत्रियां साथ नजर आ रही हैं और कैमरे के सामने मुस्कुराते हुए तस्वीरें खिंचवा रही हैं। वीडियो के साथ दिव्या ने शबाना के लिए प्यार भरा संदेश भी लिखा। उन्होंने उन्हें जिंदगी का सबसे चमकीला रंग बताते हुए कहा कि एक कलाकार के तौर पर उनकी उत्सुकता और हर पल को हंसी के साथ जीने का अंदाज बेहद खास है। दिव्या ने शबाना को महान अभिनेत्री बताते हुए कहा कि वह खुद को भाग्यशाली मानती हैं कि उन्हें उन्हें जानने, उनसे प्यार करने और उनके खास पलों का हिस्सा बनने का अवसर मिला।

दिव्या दत्ता ने अपने संदेश में शबाना आजमी के प्रति अपने लगाव को भी खुलकर जाहिर किया। उन्होंने जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शबाना का उनके ऊपर रहने वाला स्नेहभरा हाथ उनके लिए बेहद कीमती है। दोनों अभिनेत्रियों की दोस्ती लंबे समय से चली आ रही है और साथ काम करने के दौरान यह रिश्ता और गहरा हुआ। दिव्या दत्ता और शबाना आजमी ने कई चर्चित परियोजनाओं में साथ काम किया है। वर्ष 2016 में दोनों 'चॉक एंड डस्टर' में दिखाई दी थीं। फिल्म में शिक्षा व्यवस्था और शिक्षकों के जीवन से जुड़े मुद्दों को कहानी का आधार बनाया गया था। इसके अलावा दोनों चर्चित लघु फिल्म 'शीर कोरमा' का भी हिस्सा रही हैं। साथ काम करने के दौरान दोनों के बीच बना आत्मीय रिश्ता आगे चलकर गहरी दोस्ती में बदल गया।

मेट्रो बाजार

भारत की जीडीपी वृद्धि दर वित्त वर्ष 2027 में 7% तक रहने की उम्मीद

नई दिल्ली । भारत चालू वित्त वर्ष में वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 6.5-7 प्रतिशत हासिल करने की राह पर है। इस दौरान मजबूत घरेलू मांग, बैंक ऋण में तेजी और आर्थिक गतिविधियों में सुधार के चलते नॉमिनल जीडीपी वृद्धि दर 11-12 प्रतिशत के आसपास रहने की उम्मीद है। यह जानकारी जेफरीज की ओर से जारी एक रिपोर्ट में दी गई है।

जेफरीज ने अपनी ताजा 'ग्रीड एंड फियर' रिपोर्ट में कहा कि भारत का आर्थिक प्रदर्शन छह महीने पहले की अपेक्षाओं से बेहतर रहा है। इसकी वजह ऋण में व्यापक स्तर पर विस्तार और मांग से जुड़े संकेतकों में सुधार है। रिपोर्ट में आगे बताया गया कि जुलाई में बैंक ऋण वृद्धि सालाना आधार पर बढ़कर 17.8 प्रतिशत हो गई। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को दिए जाने वाले ऋण में 24.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि उद्योग क्षेत्र को कर्ज 20 प्रतिशत, सेवा क्षेत्र को ऋण 22.9 प्रतिशत और कॉरपोरेट ऋण में 21.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। रिपोर्ट में कहा गया, ÷कॉरपोरेट ऋण में तेजी यह भी संकेत देती है कि लंबे समय से प्रतीक्षित निजी क्षेत्र के पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) चक्र की शुरुआत आखिरकार हो रही है।जेफरीज में इंडिया रिसर्च के प्रमुख महेश नंदूरकर ने कहा कि आय वृद्धि चालू वित्त वर्ष के 14 प्रतिशत से बढ़कर 1 अप्रैल से शुरू होने वाले अगले वित्त वर्ष में 17 प्रतिशत रहने का अनुमान है। रिपोर्ट में घरेलू मांग में लगातार बनी मजबूती की ओर भी इशारा किया गया है। इसके अलावा, अगस्त में जीएसटी संग्रह सालाना आधार पर 14.8 प्रतिशत बढ़ा, जबकि अप्रैल-अगस्त के दौरान बिजली की मांग में वृद्धि बढ़कर 9.4 प्रतिशत हो गई।

भारत का प्रत्यक्ष कर संग्रह 13 प्रतिशत बढ़कर 12.12 लाख करोड़ रुपए पहुंचा

नई दिल्ली । भारत का प्रत्यक्ष कर संग्रह चालू वित्त वर्ष में अब तक (1 अप्रैल से 17 सितंबर तक) सालाना आधार पर 13 प्रतिशत बढ़कर 12.12 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। यह जानकारी केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) की ओर से दी गई। सरकारी डेटा के मुताबिक, सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह सालाना आधार पर 15 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 14.3 लाख करोड़ रुपए हो गया है। कॉर्पोरेट कर संग्रह 19.48 प्रतिशत बढ़कर लगभग 5.56 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जबकि व्यक्तिगत आयकर और हिंदू अविभाजित परिवारों (एचयूएफ) से होने वाला कर संग्रह 6 प्रतिशत बढ़कर 6.16 लाख करोड़ रुपए से अधिक पहुंच गया है।। पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में, 1 अप्रैल से 17 सितंबर के बीच सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) संग्रह 53 प्रतिशत बढ़कर 40,214 करोड़ रुपए हो गया है।

आंकड़ों के मुताबिक, इस दौरान रिफंड जारी करने में 29 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई और यह 2.2 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर गया। 17 सितंबर तक एडवांस टैक्स संग्रह 16.18 प्रतिशत बढ़कर 5.22 लाख करोड़ रुपए हो गया। इसमें एडवांस कॉर्पोरेट टैक्स संग्रह 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 4.16 लाख करोड़ रुपए और नॉन-कॉर्पोरेट एडवांस टैक्स संग्रह 9.24 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 1.06 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया है।

पिछले महीने के आखिर में जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2026-27 के शुरुआती चार महीनों (अप्रैल-जुलाई) में भारत का राजकोषीय घाटा 4.55 लाख करोड़ रुपए रहा, जो पूरे वित्त वर्ष के लिए तय लक्ष्य का 26.8 प्रतिशत है। यह पिछले साल इसी अवधि के राजकोषीय घाटा से कम है, जो 4.7 लाख करोड़ रुपए था और पूरे वित्त वर्ष के अनुमान का 29.9 प्रतिशत था।

मानसूनी सीजन के 11 दिन शेष, प्रदेश की बारिश का हो सकता है कोटा फुल!

» गाडगिल डैम के तीन गेट खोले

भोपाल।प्रदेश में अब तक औसत 33.2 इंच बारिश हो चुकी है, जो कुल कोटे की 89.3 प्रतिशत है। मौसम केंद्र के मुताबिक, मानसूनी सीजन को 11 दिन बाकी बचे हैं। आखिरी सप्ताह में कुछ जिलों में भारी बारिश भी हो सकती है। ऐसे में प्रदेश की बारिश का कोटा फुल हो सकता है। मंदसौर जिले भारी बारिश के चलते मल्हारगढ़ स्थित काका गाडगिल डैम के तीन गेट खोले गए हैं।हालांकि, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर और नर्मदापुरम संभाग के ज्यादातर जिलों में सामान्य बारिश का आंकड़ा कम ही रह सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, इंदौर, धार, आलीराजपुर, रायसेन, विदिशा, जबलपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, पांढुर्णा, सागर, उज्जैन, रतलाम, शाजापुर में अब तक सामान्य का 80 प्रतिशत पानी भी नहीं गिरा है।इन जिलों में तीन से चार दिन तक भारी बारिश का दौर हो, तो ही सामान्य बारिश के आंकड़े तक पहुंचा जा सकता है। दूसरी ओर, मऊगंज, निवाड़ी में कोटे से दोगुना पानी गिर चुका है।फिलहाल, भोपाल, राजगढ़, बुरहानपुर, खरगोन, ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, छतरपुर, निवाड़ी, मैहर, भिंड, श्योपुर, सिंगरौली, सीधी, सतना, मऊगंज, शहडोल और उमरिया में सामान्य या इससे ज्यादा बारिश हो चुकी है।

न्यूज विंडो

हिट एंड रन केस: कार ने पांच छात्रों को मारी टक्कर, वीडियो वायरल

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार कार चालक ने सड़क पर जा रहे पांच छात्रों को टक्कर मार दी। हादसे के बाद आरोपी चालक कार लेकर मौके से फरार हो गया। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस ने मामले में सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के आधार पर आरोपी चालक की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक घटना नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र में हुई। बताया जा रहा है कि छात्र सड़क पर गुजर रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर छात्रों की ओर आ गई और एक के बाद एक कई लोगों को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से करीब चार से पांच लोग घायल हुए हैं। हादसे के बाद चालक ने कार नहीं रोकी और मौके से फरार हो गया।

पाकिस्तान: मस्जिद में आत्मघाती धमाके में मृतकों की संख्या 31 हुई

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शुक्रवार को पुलिस कंपाउंड की मस्जिद पर आत्मघाती हमला हुआ। इस हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 31 हो गई है।समाचार एजेंसी एएफपी की रिपोर्ट के मुताबिक, जब विस्फोटक से भरी एक कार को पुलिस परिसर के अंदर ले जाया गया, तब अधिकारी और उनके परिवार कंपाउंड के अंदर बनी मस्जिद में नमाज पढ़ रहे थे।सूत्रों के मुताबिक, इस हमले में मारे गए 31 लोगों में से स्क्रैंक का एक अधिकारी, एक डिप्टी स्कऔर काउंटर-टेररिज्म डिपार्टमेंट के तीन इंस्पेक्टर शामिल हैं।हमलावर नमाज के समय के दौरान विस्फोटक से लदी गाड़ी लेकर कंपाउंड में घुसा और मस्जिद के प्रवेश द्वार की दीवार से टकरा गया। जैसे ही गाड़ी दीवार के टकराई, जोरदार विस्फोट हुआ। धमाके से इमारत का कुछ हिस्सा ढह गया और इलाका धुएं और मलबे से भर गया।

पति के लोन के लिए पत्नी नहीं जिम्मेदार कोर्ट का 19.90 लाख लौटाने का आदेश

लखनऊ। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया है कि पति द्वारा लिए गए व्यक्तिगत ऋण की भरपाई के लिए उसकी पत्नी या विधवा को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। अदालत ने भारतीय स्टेट बैंक के रवैये को बैंकिंग नियमों का उल्लंघन बताते हुए कड़ी फटकार लगाई और महिला की फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) से काटी गई पूरी रकम ब्याज समेत लौटाने का निर्देश दिया।लखनऊ निवासी नेहा मिश्रा के पति, जो कि रिंग रोड स्थित मेडिसिन अस्पताल में असिस्टेंट प्रोफेसर थे, उन्होंने नवंबर 2020 में एसबीआई से 15 लाख रुपये का पर्सनल लोन लिया था। मई 2021 में कोविड-19 के कारण उनका निधन हो गया।पति की मृत्यु के बाद बैंक ने बकाया लोन की वसूली के लिए सितंबर 2025 में उनकी पत्नी नेहा मिश्रा को कानूनी नोटिस भेजा और उनका सैलरी अकाउंट फ्रीज कर दिया (जिसे बाद मेंआरबीई लोकपाल के हस्तक्षेप के बाद बहाल किया गया)। इसके बाद बैंक ने प्रक्रिया के दौरान महिला की फिक्स्ड डिपॉजिट तुड़वाकर उसमें से 19.90 लाख रुपये काट लिए।

सऊदी अरब और हूतियों में बढ़ा तनाव

रियाद में फिर सुनी गई धमाकों की आवाज, यमन में भी हुए हमले

रियाद, एजेंसी

सऊदी अरब की राजधानी रियाद में आज तड़के धमाकों की आवाज़ें सुनी गईं। स्थानीय लोगों को मोबाइल ऐप के जरिए हवाई सुरक्षा संबंधी अलर्ट मिले। बाद में सऊदी नागरिक सुरक्षा निदेशालय ने एक्स पर एक बयान जारी कर कहा कि रियाद और अल-खर्ज में खतरा टल गया है। साथ ही, लोगों से अपील की गई कि वे निर्देशों का पालन करते रहें और भीड़ न लगाएं या वीडियो न बनाएं।

वहीं, यमन के हूती विद्रोहियों ने शुक्रवार को कहा कि सऊदी अरब ने पिछले 24 घंटों में उनके कब्जे वाले इलाकों पर 26 हमले किए हैं। ईरान-समर्थित इस गुट और यमन की रियाद-समर्थित सरकार के बीच देश में फिर से गृहयुद्ध छिड़ गया है। गुट ने कहा कि पिछले हफ्ते उनके ठिकानों पर सऊदी हमलों की संख्या 300 तक पहुंच गई है और इन हमलों में हूती-नियंत्रित यमन के कई इलाकों को निशाना बनाया गया।

पहले भी दी गई है चेतावनी

इससे पहले चेतावनी दी गई थी, 'अल-खर्ज गवर्नरेट में आपातकालीन स्थितियों के लिए राष्ट्रीय प्रारंभिक चेतावनी मंच ने खतरे की चेतावनी देने के लिए एक अलर्ट जारी किया है।' सऊदी सिविल डिफेंस ने बताया कि गुरुवार को पश्चिमी सऊदी अरब के ताइफ में हूती समूह के एक ड्रोन का मलबा गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। इस ड्रोन को बीच में ही रोककर नष्ट कर दिया गया था। सऊदी अरब और यमन के हूती विद्रोहियों के बीच पिछले कुछ दिनों में तनाव तेजी से बढ़ा है। हूतियों ने सऊदी शहरों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए, जिनमें कई लोगों के घायल होने और घरों-वाहनों को नुकसान की खबर है। वहीं, सऊदी अरब ने भी यमन में हूती ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं। इसके साथ ही सऊदी का दावा है कि मक्का की ओर बढ़ रहे एक ड्रोन को भी मार गिराया गया, हालांकि हूतियों ने मक्का को निशाना बनाने से इनकार किया है।

रेड सी में हमले का असर

सऊदी अरब ने यूरोप की तेल सप्लाई रोकी, भारत को मिलेगा इसका फायदा

रियाद, एजेंसी

दुनिया के सबसे बड़े तेल निर्यातक देश सऊदी अरब ने अचानक एक ऐसा बड़ा फैसला सुनाया है, जिसने पूरी दुनिया के एनर्जी मार्केट में हलचल मचा दी है। रेड सी यानी लाल सागर से जुड़ी मेन पाइपलाइन पर हुए एक भयानक हमले के बाद सऊदी अरब ने अपने कच्चे तेल के एक्सपोर्ट का पूरा रूट ही बदल दिया है। संकट की इस घड़ी में सऊदी अरामको ने यूरोप को बुरी खबर दी है। वहीं दूसरी तरफ, सऊदी अरब ने करीब 60 मिलियन बैरल क्रूड ऑयल को ओमान के सोहार पोर्ट की तरफ डाइवर्ट कर दिया है। यूरोप के दरवाजे बंद करके तेल को ओमान के रास्ते मोड़े जाने से भारत, चीन और जापान जैसे एशियाई देशों की लॉटरी लग गई है।

आमतौर पर सऊदी अरब अपने विशालकाय इंफ्रास्ट्रक्चर के जरिए

फारस की खाड़ी और रेड सी दोनों तरफ के बंदरगाहों से तेल बाहर भेजता है। लेकिन यनबू एक्सपोर्ट टर्मिनल को जोड़ने वाली पाइपलाइन पर हूती लड़ाकों ने हमला कर दिया है, जिसकी वजह से वहां काम बहुत धीमा पड़ गया।

इस मुश्किल से निकलने के लिए सऊदी अरब ने एक रास्ता निकाला है। खाड़ी में स्थित रास तनूरा पोर्ट से कच्चे तेल को ओमान के सोहार पोर्ट लाया जा रहा है। यहां समंदर के भीतर ही एक बड़े जहाज से दूसरे जहाज में तेल ट्रांसफर किया जा रहा है।

आईआईटी बॉम्बे में स्टूडेंट के सुसाइड के बाद छात्रों ने कैंपस में किया प्रदर्शन

मुंबई। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी बॉम्बे (आईआईटी बॉम्बे) में बी टेक के दूसरे साल के एक छात्र ने आत्महत्या कर ली है। आईआईटी पवई कैंपस में छह महीने में आत्महत्या का यह तीसरा मामला है।जानकारी में सामने आया है कि इस छात्र को परीक्षा के दौरान चैटजीपीटी का इस्तेमाल करते पकड़ा गया था। उसी शाम वो छात्र हॉस्टल के कमरे में मृत पाया गया।

छात्र की आत्महत्या की घटना के बाद कैंपस में छात्र विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और संस्थान प्रशासन से जवाबदेही की मांग की जा रही है।आईआईटी बॉम्बे ने छात्र की आत्महत्या के मामले में एक बयान जारी करते हुए कहा कि वह एक छात्र की मौत से बहुत दुखी है। ढ्ढढ्ढञ्ज बॉम्बे की तरफ से कहा गया, 'संस्थान छात्र के दोस्तों, क्लासमेट्स, फैकल्टी सदस्यों और इस दुखद घटना से प्रभावित अन्य लोगों को सहायता दे रहा है। संबंधित अधिकारी मौत के कारणों की जांच कर रहे हैं।'

छात्रों और प्रशासन के बीच बातचीत के दौरान स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने कैंपस में भारी सुरक्षा बल तैनात किया है।

यूएन: भारतीय राजदूत की होर्मुज संकट पर दो टूक

समुद्री व्यापार को भू-राजनीतिक तनाव के लिए निशाना न बनाएं

संयुक्त राष्ट्र। होर्मुज जलडमरूमध्य के टकराव में भारत के जहाजों और नागरिकों को भी नुकसान पहुंचा है। भारत ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान करने की बात दोहराई है। इसके साथ ही कहा है कि समुद्री व्यापारिक गतिविधियों को भू-राजनीतिक तनाव का निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए।

भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने गुरुवार को सुरक्षा परिषद से कहा कि नेविगेशन के अधिकारों पर जबरदस्ती, धमकियों, गैर-कानूनी प्रतिबंधों या मनमाने हस्तक्षेप का असर नहीं पड़ना चाहिए। भारत एक प्रमुख समुद्री देश है और हम एक स्वतंत्र, खुले, सुरक्षित और नियमों पर आधारित समुद्री क्षेत्र का पुरजोर समर्थन करते हैं।हरीश ने बहरीन

की बुलाई गई काउंसिल की एक अनौपचारिक बैठक में समुद्री सुरक्षा माहौल पर चर्चा की। यह बैठक 'आरिया-फॉर्मूला' के तहत आयोजित की गई थी, जिसका नाम वेनेजुएला के राजनयिक डिएगो आरिया के नाम पर रखा गया है। उन्होंने ही 1992 में इस संस्था की अध्यक्षता करते हुए ऐसी बैठकों की शुरुआत की थी।

होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से भारत को आर्थिक नुकसान भी हुआ है, क्योंकि इससे तेल और गैस की सप्लाई में रुकावट आई और साथ ही दुनिया भर में पेट्रोलियम की कीमतें तेजी से बढ़ीं। हरीश ने कहा कि खाड़ी और पश्चिम एशिया में आई इस रुकावट का दुनिया के अलग-अलग हिस्सों पर असर पड़ता है, खासकर ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा के मामले में। हालांकि उन्होंने उन घटनाओं या हमलों में शामिल पक्षों का नाम नहीं लिया, जिनमें ईरान और अमेरिका के साथ-साथ खाड़ी के अन्य देशों के बीच होर्मुज जल डमरूमध्य में हुए टकराव के दौरान भारत को नुकसान उठाना पड़ा था।

28 साल बाद बदला टीएमसी का चुनाव चिन्ह, अपने उम्मीदवार मैदान से बाहर

नंदीग्राम के बाद रेजीनगर में भी ममता के साथ हो गया खेला

जो ममता बनर्जी बीते 28 साल से तृणमूल कांग्रेसी बनकर कांग्रेस को नेस्तनाबूत कर रहीं थीं और बंगाल में 'खेला होबे' का नारा बुलंद कर रही थीं, अब उन्हीं के साथ बड़ा खेला हो गया। आज वे उस कांग्रेस को बिना शर्त समर्थन कर रही हैं, जिस कांग्रेस को 28 साल पहले उन्होंने बर्बाद करने की पटकथा लिख दी थी। कुछ ही घंटों में ममता बनर्जी के सामने चुनाव चिन्ह से लेकर उम्मीदवार और फिर राजनीतिक सहयोगी तक का समीकरण बदल गया। नंदीग्राम में उन्हें कांग्रेस प्रत्याशी को समर्थन देना पद रहा है और अब रेजीनगर सीट से टीएमसी उम्मीदवार रबीउल आलम चौधरी ने नाम वापस ले लिया है। ऐसे में अब दोनों ही सीटों पर ममता का कोई प्रत्याशी नहीं है।

कोलकाता से अजय विश्वास की रपट

निर्वाचन आयोग के अंतरिम आदेश के बाद 28 साल पुरानी तृणमूल कांग्रेस की पहचान, पार्टी का मूल नाम और 'फूल-घास' चुनाव चिन्ह फ्रीज हो गया। ममता खेमे को नया नाम 'ममता ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस' और चुनाव चिन्ह 'फुटबॉल खिलाड़ी' मिला। बंगाल की राजनीति में इसे ममता के पुराने 'खेला होबे' नारे से जोड़कर देखा जा रहा है।

लेकिन असली 'खेला' इसके बाद नंदीग्राम में हुआ। ममता खेमे की उम्मीदवार संचिता प्रधान डे ने अचानक अपना नामांकन वापस ले लिया। इससे पहले वह अपने पति के साथ मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी से मिलीं। मुलाकात के बाद वह निर्वाचन आयोग पहुंचीं और अपना नामांकन वापस ले लिया। इस घटनाक्रम ने राजनीतिक गलियारों में कई सवाल खड़े कर दिए। हालांकि मुलाकात और नामांकन वापसी के बीच किसी राजनीतिक समझौते का पुष्ट प्रमाण अभी सामने नहीं आया है। कांग्रेस के ममता विरोधी कोलकाता के वरिष्ठ कांग्रेस नेता अधी रंजन चौधरी ने साफ़ कर दिया की कांग्रेस ने उनसे कोई समर्थन नहीं मांगा ।

संचिता के मैदान से हटते ही ममता की पार्टी नंदीग्राम में अपने उम्मीदवार से खाली हो गई। इसके बाद ममता बनर्जी ने कांग्रेस उम्मीदवार मिलन प्रधान को समर्थन देने की घोषणा कर दी। यह दृश्य बंगाल की राजनीति के लिए खासा असाधारण था। जिस कांग्रेस को तृणमूल ने बंगाल की सत्ता की दौड़ से लगभग बाहर कर दिया था, उसी कांग्रेस के उम्मीदवार के पीछे अब ममता खड़ी हैं । ममता ने यहां तक संकेत दिया कि नंदीग्राम का समर्थन व्यापक विपक्षी एकता की शुरुआत हो सकता है और वह देश के दूसरे हिस्सों में भी कांग्रेस के लिए प्रचार करेंगी।

लेकिन घटनाक्रम ने फिर पलटी खाई। ममता के समर्थन की घोषणा के कुछ ही घंटों बाद कांग्रेस उम्मीदवार मिलन प्रधान को एक पुराने हत्या मामले में गिरफ्तार कर लिया गया। कांग्रेस ने गिरफ्तारी के समय और परिस्थितियों पर सवाल उठाते हुए इसे राजनीतिक प्रतिशोध बताया। दूसरी ओर पुलिस की कार्रवाई को पुराने आपराधिक मामले से जुड़ी कानूनी प्रक्रिया के रूप में बताया गया।

इधर चुनाव चिन्ह को लेकर भी विवाद खड़ा हो गया। बंगाल की एक पार्टी इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आई एस एफ)ने 'लिफाफा' चुनाव चिन्ह पर आपत्ति जताई है। उसका दावा है कि यही प्रतीक उसके उम्मीदवार को भी दिया गया था। आयोग द्वारा इसे मुक्त प्रतीक मानने के बाद उसके लिए नया चुनाव चिह्न तय करने की स्थिति बनी है। पार्टी ने इस मामले को अदालत में ले जाने की बात कही है। आयोग ने टीएमसी के दूसरे गुट यानी रितुब्रत बनर्जी की पार्टी को डेमोक्रेटिक तृणमूल कांग्रेस' नाम और 'लिफाफा' चुनाव चिन्ह आवंटित किया है ।

इस बीच ममता बनर्जी ने निर्वाचन आयोग के अंतरिम फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे दी है। अब असली लड़ाई केवल नंदीग्राम के मैदान में नहीं, बल्कि चुनाव आयोग के फैसले और तृणमूल की राजनीतिक पहचान को लेकर अदालत में भी होगी। नंदीग्राम वही जमीन है जहां 2007 के भूमि आंदोलन ने ममता बनर्जी को बंगाल की राजनीति में निर्णायक ताकत दी और 2021 में ममता बनाम शुभेंदु अधिकारी की लड़ाई ने पूरे देश का ध्यान खींचा था।आज उसी नंदीग्राम में तस्वीर बिल्कुल उलट दिखाई दे रही है।

ममता के पास नया चुनाव चिन्ह है, लेकिन अपना उम्मीदवार नहीं। जिस कांग्रेस से उन्होंने तीन दशक पहले अलग रास्ता चुना था, आज उसी के उम्मीदवार को समर्थन है। और जिस नंदीग्राम में कभी ममता ने 'खेला होबे' का नारा दिया था, वहां राजनीति ने उनके सामने ही एक नया खेल खड़ा कर दिया। उपचुनाव अभी बाकी है लेकिन वहाँ एक नया 'खेला' जरूर शुरू हो चुका है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564, 4917524